राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 17 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–25 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तंज,

राम को काल्पनिक बताने वाले... अब जय सियाराम कह रहे

– तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए आपको आर्शीवाद चाहिए

रेवाड़ी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के रेवाड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत का वैश्विक स्तर पर सम्मान बड़ा है। उन्होंने कहा कि अब मुझे अपने तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रेवाड़ी में विभिन्न विकास परियोनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, 2013 में जब मुझे भाजपा ने पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया था, तब मेरा पहला कार्यक्रम रेवाड़ी में हुआ था और रेवाड़ी ने मुझे 272 पार का आशीर्वाद दिया था और आपका वहां आशीर्वाद सिद्धि बन गया। अब लोग कह रहे हैं कि मैं फिर रेवाड़ी आया हूं, तब आपका आशीर्वाद है, अबकी बार एनडीए सरकार 400 पार। कांग्रेस को निशाने पर लेकर पीएम मोदी ने कहा, देश की इच्छा थी कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो, आज पूरा देश भव्य राम मंदिर में विराजे रामलला के दर्शन कर रहा है। कांग्रेस के लोग, जो भगवान राम को काल्पनिक बताते थे, जो कभी नहीं चाहते थे कि राम मंदिर बने, वे भी अब जय सिया राम करने लगे हैं... कांग्रेस के नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। आज स्थिति ये है कि कांग्रेस के पास अपने कार्यकर्ता तक नहीं बचे हैं। जहां सरकार में हैं, वहां कांग्रेस पार्टी से सरकारें तक नहीं संभल रही हैं। एक परिवार के मोह में फंसी कांग्रेस आज अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इनके नेता से अपना एक स्टार्टअप नहीं संभल रहा, ये लोग देश संभालने का सपना देख रहे हैं।

अपने यूएई दौरे का जिक्र कर पीएम मोदी ने कहा कि यूएई और कतर में जिस प्रकार आज भारत को सम्मान मिलता है, हर कोने से भारत को शुभकामनाएं मिलती हैं। वहां सम्मान सिर्फ मोदी का नहीं है, वे सम्मान 140 करोड़ भारतीय का है, आप सबका है। पीएम मोदी ने कहा कि 10 सालों में भारत 11वें स्थान से ऊपर उठ कर 5वें स्थान की आर्थिक महाशक्ति बना ये भी आपके आशीर्वाद से हुआ है। अब मुझे अपने तीसरे कार्यकाल में आने वाले सालों में भारत को दुनिया कि तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, आज एम्स का शिलान्यास किया है, लोकार्पण भी हम ही करने वाले हैं। इससे आपको बेहतर इलाज भी मिलेगा और युवाओं को डॉक्टर बनने का मौका मिलेगा। रोजगार और स्वरोजगार के भी अनेक अवसर बनने वाले हैं। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड- देश की आधे से अधिक आबादी को दशकों तक छोटी छोटी जरूरतों से दूर रखने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड, सिर्फ एक ही परिवार के हित को देशवासियों के हित से ऊपर रखने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड घोटालों का रहा है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड, सेना और सैनिक दोनों को कमजोर करने का है। ये बात याद रखना जरूरी हैं क्योंकि आज भी कांग्रेस की टीम, नेता, नीयत वही है।

राजस्थान में डबल इंजन की सरकार तेजी से काम कर रही है-पीएम

जयपुर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विकसित भारत विकसित राजस्थान कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत–विकसित राजस्थान इस महत्वपूर्ण कर्यक्रम में इस समय राजस्थान की हर विधानसभा से लाखों साथी जुडे हुए है. मैं आप सभी का और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भी अभिनंदन करता हूं जो उन्होंने टेक्नोलॉजी का इतना शानदार उपयोग करके जन–जन तक पहुंचाने का मुझे अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि आज भारत का स्वर्णिम अवसर आया है. 2014 से पहले देश में क्या चल रहा था. पहले बड़े–बड़े घोटालों और बम धमाके होते रहते थे. कांग्रेस के राज में चारों तरफ यही माहौल था...लेकिन आज हम बड़े सपने देख रहे हैं. विकसित भारत और विकसित राजस्थान की बात कर रहे हैं. विकसित भारत और राजस्थान के लिए रेल, रोड, शिक्षा और चिकित्सा में विकास होना ज़रूरी है. आज जिन सड़कों का विकास और लोकार्पण हुआ उनसे कोटा, बूंदी, उदयपुर, बारां और टोंक की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। पीएम ने कहा कि इस बार हमने केंद्रीय बजट में भी 11 लाख करोड़ रुपए इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए रखे हैं जो की कांग्रेस के शासन से बहुत ज्यादा है आज राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र चौड़े और आधुनिक हाईवे से जुड़ रहा है. इससे बहुत आसानी होगी और कनेक्टिविटी अच्छी होगी. जयपुर में खातीपुरा स्टेशन के खुलने से आसानी होगी. कांग्रेस दूरगामी सोच नहीं होने के साथ नीति नहीं बना सकते. कांग्रेस के राज में लोग अंधेरे में रहते थे. करोड़ों गरीब परिवारों के घर में तो बिजली कनेक्शन ही नहीं था हमने सरकार में आने के बाद नीति बनाई, निर्णय लिए और आज देखिए हालत बदल गए हैं। आज भारत बिजली पैदा करने के मामले में अग्रणी देशों में आ गया है. राजस्थान में डबल इंजन की सरकार तेजी से काम कर रही है. भाजपा का प्रयास है हर परिवार सौर ऊर्जा से लाभान्वित हो. आज गरीबी को जड़ से मिटाने का समय है. मैं अभी कतर जाकर आया हूं. वहां भी भारत की चर्चा हो रही है. विकसित भारत और विकसित राजस्थान निर्माण बहुत जरूरी है. पानी, बिजली जैसे सुविधाओं का तेज विकास होना जरूरी है. इससे पशुपालकों, किसानों को लाभ होगा. फैक्ट्री बनेगी, लोगों को रोजगार मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कानून बनाया गया है. पेपर लीक माफिया गलत काम करने से पहले 100 बार सोचेगा. 400 रुपए में गैस सिलेंडर की गारंटी पूरी हो चुकी है. इससे लाखों बहनों को फायदा मिल चुका है. हर क्षेत्र में हम एक–एक कर वायदे पूरे कर रहे हैं. हम अपनी गारंटियों की प्रति गंभीर हैं. लोग कहते है मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने गारंटी।

कांग्रेस का खाते फीज

– ना बिजली बिल भर पा रहे, ना सैलरी दे पा रहे

–आयकर विभाग पर खाते फीज करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने बैंक खातों को फीज करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा- अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अकाउंट फीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ों न्याय यात्रा बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। यह लोकतंत्र को फीज करने जैसा है।

–आयकर विभाग की 210 करोड़ की मांग

अजय माकन ने एक्स पर लिखा कि, यह कांग्रेस का खाता बंद नहीं किया गया है बल्कि लोकतंत्र को बंद कर दिया गया है। जब चुनाव की घोषणा सिर्फ एक महीने दूर है, उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल का खाता फीज कर दिया है, क्या देश में एक ही पार्टी का शासन रहेगा? उन्होंने आगे बताया कि कांग्रेस के चार खाते फीज कर दिए गए हैं। माकन ने कहा कि पार्टी ने उनके खाते को डीफीज करने के लिए आयकर अपीलीय प्राधिकरण (आईटीएटी) से संपर्क किया है। आयकर विभाग ने पार्टी से 210 करोड़ रुपये की मांग की है। माकन ने कहा, उन्हें 2018-2019 के लिए अपना आईटी रिटर्न 31 दिसंबर 2019 तक दाखिल करना था, लेकिन पार्टी 40-45 दिनों की देरी से रिटर्न फाइल किया थाकांग्रेस का खाते फीज

ना बिजली बिल भर पा रहे, ना सैलरी दे पा रहे

–आयकर विभाग पर खाते फीज करने का आरोप

दिल्ली (ईएमएस) अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने बैंक खातों को फीज करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा- अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अकाउंट फीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ों न्याय यात्रा बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। यह लोकतंत्र को फीज करने जैसा है।

–आयकर विभाग की 210 करोड़ की मांग

अजय माकन ने एक्स पर लिखा कि, यह कांग्रेस का खाता बंद नहीं किया गया है बल्कि लोकतंत्र को बंद कर दिया गया है। जब चुनाव की घोषणा सिर्फ एक महीने दूर है, उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल का खाता फीज कर दिया है, क्या देश में एक ही पार्टी का शासन रहेगा? उन्होंने आगे बताया कि कांग्रेस के चार खाते फीज कर दिए गए हैं। माकन ने कहा कि पार्टी ने उनके खाते को डीफीज करने के लिए आयकर अपीलीय प्राधिकरण (आईटीएटी) से संपर्क किया है। आयकर विभाग ने पार्टी से 210 करोड़ रुपये की मांग की है। माकन ने कहा, उन्हें 2018-2019 के लिए अपना आईटी रिटर्न 31 दिसंबर 2019 तक दाखिल करना था, लेकिन पार्टी 40-45 दिनों की देरी से रिटर्न फाइल किया था।

पीएफआई व आईएसआई कर रहे हैं ज्ञानवापी के खिलाफ साजिश !

वाराणसी। यूपी के वाराणसी में अब संतों ने ज्ञानवापी में जुमे की नमाज पर नमाजियों के भीड़ पर सवाल उठाया है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने आरोप लगाया किपीएफआई और आईएसआई के लोग ज्ञानवापी बैठक में शामिल हुए थे। उनका दावा है कि ज्ञानवापी को लेकर जमाते इस्लामी हिंद, पीएफआई और आईएसआई मिलकर साजिश कर रहा है और इस मुद्दे पर वह लोग साम्प्रदायिक हिंसा करवा सकते हैं। उन्होंने फेसबुक के लाइव वीडियो लिंक के जरिए दावा किया कि केरल के इस बैठक में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के सचिव मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी शामिल थे। स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने दावा किया कि ज्ञानवापी में जुमे के नमाज पर जो भीड़ उमड़ रही है उसमे ज्यादातर नमाजी बाहरी हैं। उन्होंने बताया कि पहले ज्ञानवापी में कभी भी 100–200 से ज्यादा नमाजी नहीं जुटते थे लेकिन जब से यह मुद्दा कोर्ट में है और लगातार हिंदुओं के पक्ष में इसको लेकर फैसले आ रहें हैं। तब से वहां नमाजियों की भीड़ बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि माहौल खराब करने के लिए बाहरी नमाजी बुलाए जा रहें है। हालाकिं इस मामले में यूपी पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ज्ञानवापी को लेकर फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया पर चलाए जा रहें ग्रूप और पेज पर नजर रख रही है और उससे जुड़े लोगों की कुंडली भी खंगाल रही है।

टाइम बमों के साथ युवक गिरफ्तार, एसटीएफ की कार्रवाई में नेपाल कनेक्शन की बात

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एसटीएफ ने एक युवक को चार टाइम बम के साथ संदिग्ध स्थिति में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम जावेद शेख बताया गया है। यूपी एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए पकड़े गए आरोपी जावेद से 4 बॉटल टाइम बम बरामद किया। बताया गया है कि बॉटल की मदद से एलईडी बनाया गया था, वहीं आरोपी से की गई पूछताछ में नेपाल कनेक्शन का खुलासा होता हुआ दिखा है। आरोपी ने बताया है कि उसे बम बनाने का ऑर्डर इमराना नाम की एक महिला ने दिया था। जब जांच की गई तो यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी जावेद का नेपाल आना–जाना रहा है। ऐसे में आरोपी का नेपाल से गहरा कनेक्शन है। जांच और पूछताछ उपरांत यह स्पष्ट किया गया है कि इस मामले में अभी तक कोई आतंकी एंगल सामने नहीं आया है।

आरबीआई ने पेटीएम को दी 15 दिन की मोहलत,

नई दिल्ली। भारतीय रिज़र्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ग्राहक खातों में जमा, क्रेडिट लेनदेन और टॉप–अप रोकने के लिए 15 दिन की छूट दी है, और तारीख को पहले निर्धारित समय सीमा 29 फरवरी, 2024 से बढ़ाकर 15 मार्च कर दिया है। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से साझेदार बैंकों के पास जमा ग्राहकों की जमा राशि की निर्बाध निकासी की सुविधा देने के लिए भी कहा है। आरबीआई ने लगातार गैर–अनुपालन के कारण पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ग्राहक खातों में जमा, क्रेडिट लेने या टॉप–अप लेनदेन संसाधित करने से रोक दिया था। इसके अतिरिक्त, बैंक को पहले 29 फरवरी से यूपीआई सुविधाओं और फंड ट्रांसफर जैसी अन्य बैंकिंग सेवाओं को संसाधित करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। पेटीएम पेमेंट्स बैंक को एक और झटका देते हुए, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक निर्देश जारी कर अपने अधिकारियों को पेटीएम सहायक कंपनी से जुड़े दावों को निपटाते समय सावधानी बरतने का निर्देश दिया है। इस घटनाक्रम से पेटीएम पेमेंट्स बैंक की प्रतिष्ठा पर और भी ग्रहण लग गया है, जो हाल के दिनों में कई बाधाओं का सामना कर रहा है। ईपीएफओ का कदम बैंक की विश्वसनीयता और अनुपालन मानकों पर चिंता का संकेत देता है, जिससे कर्मचारी भविष्य निधि के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार सरकारी निकाय को सतर्क रुख अपनाना पड़ता है।

पेंट फैक्ट्री में आग, 11 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर में दयाल मार्केट में मौजूद एक पेंट फैक्ट्री में गुरुवार को आग लग गई। देर रात तक हादसे में 7 लोगों के मारे जाने की खबर थी। शुक्रवार सुबह 8 मृतकों की संख्या 11 हो गई। 4 लोग घायल हैं, जिन्हें राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की 22 गाडियां मौके पर पहुंचीं। घटना शाम करीब 5ः30 बजे की है। रात 9 बजे आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं, आसपास के कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों का मानना है कि फैक्ट्री में रखे केमिकल की वजह से ब्लास्ट हुआ।

मणिपुर के चुराचांदपुर में हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण

इंफाल। मणिपुर सरकार ने एक पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर हिंसा भड़कने के बाद शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले में इंटरनेट सेवाएं पांच दिनों के लिए निलंबित कर दीं। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) और उपायुक्त के कार्यालयों में तोड़फोड़, भीड़ के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों को आग लगाने और एसपी कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज को उतारे जाने के बाद आज सुबह जिले में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। अधिसूचना के अनुसार, 'आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता को उकसाने वाली तस्वीरें, पोस्ट और वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं जिससे कानून–व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता हैज्जानमाल के नुकसान को आसन्न खतरा/भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों के परिणामस्वरूप सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान तथा सार्वजनिक शांति और सांप्रदायिक सद्भाव में व्यापक गड़बड़ी हो सकती है।' एक अधिकारी ने बताया कि एक कथित वीडियो में बंदूकधारियों के साथ दिखे जिला पुलिस के हेड कांस्टेबल को निलंबित किए जाने के कुछ समय बाद बृहस्पतिवार रात जिले में हिंसा भड़क गई और भीड़ सरकारी परिसर में घुस गई तथा वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे और 'हल्का बल प्रयोग' किया। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। चुराचांदपुर स्थित इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने एक व्यक्ति की हत्या के विरोध में शुक्रवार को जिले में बंद का आह्वान किया है। प्रदर्शनकारियों ने हेड कांस्टेबल को सेवा में बहाल करने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उसका निलंबन 'अनुचित' था। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के करीबी माने जाने वाले राज्य के लोक निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने चुराचांदपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक पाओलीनलाल हाओकिप के बयान की निंदा की जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्होंने वहां भीड़ की हिंसा के मद्देनजर 'घृणा अभियान' चलाया था।

तेजस्वी बिहार में राहुल की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल हुए

सासाराम (बिहार)(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुक्रवार को बिहार के सासाराम जिले से फिर से शुरू हुई और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव इस यात्रा में शामिल हुए। कांग्रेस सांसद राहुल ने यहां पार्टी के जिला कार्यालय से सुबह यात्रा शुरू की और इस यात्रा के शाम को कैमूर जिले के मोहनिया के रास्ते उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने की उम्मीद है। यादव और राहुल एक 'स्पोर्ट्स यूटिलिटी' वाहन की छत पर बैठे थे और वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। दोनों नेताओं ने शहर की मुख्य सड़क पर एकत्रित भीड़ की ओर हाथ हिला कर उनका अभिवादन किया।

यात्रा को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा थी। विपक्षी 'महागठबंधन' के दोनों नेता दोपहर करीब तीन बजे कैमूर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले बृहस्पतिवार को राहुल ने बिहार के औरंगाबाद जिले में एक रैली को संबोधित किया और प्रदर्शनकारी किसानों का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने किसानों की तुलना उन सैनिकों से की, जो देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर लड़ते हैं। कांग्रेस नेता फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून और ऋण माफी सहित अपनी मांगों के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च का जिक्र कर रहे थे।

सरकार से किसान नेताओं की बातचीत रही बेनतीजा, पंजाब-हरियाणा सीमा पर डटे हुए हैं प्रदर्शनकारी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसान संघों और केन्द्रीय मंत्रियों के बीच तीसरे दौर की वार्ता बृहस्पतिवार देर रात बेनतीजा रही और अब दोनों पक्षों के बीच अगली दौर की बैठक रविवार को होगी।

इसबीच किसानों ने पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर डटे रहने का निर्णय किया है। किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच बृहस्पतिवार रात करीब 8ः45 बजे बैठक शुरू हुई और पांच घंटे तक जारी रही लेकिन इसमें दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बनी।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार और किसान नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में बैठक हुई और सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अब बैठक रविवार शाम छह बजे होगी। मुंडा ने कहा, 'हम साथ बैठ कर कोई हल निकाल लेंगे।'

केन्द्रीय मंत्री मुंडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसान संघों की विभिन्न मांगों पर जारी बातचीत में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में बृहस्पतिवार को आयोजित बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल हुए। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के वास्ते 'दिल्ली चलो' का आह्वान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी और कर्ज माफी सहित उनकी मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। पंधेर ने कहा, 'उन्होंने (केंद्रीय मंत्रियों ने) कहा कि उन्हें समय चाहिए।' क्या किसान पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर डटे रहेंगे, इस सवाल पर पंधेर ने कहा, 'हां'।

संपादकीय

चंदे पर सवाल

इलेक्टोरल बॉन्ड पर आया फैसला जितना प्रभावी है, उतना ही विचारणीय भी। सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की पीठ ने गुरुवार को चुनावी बॉन्ड योजना को असांविधानिक करार दिया। भारतीय सियासत के लिए यह एक बड़ा फैसला है। आने वाले समय में न केवल इलेक्टोरल बॉन्ड के स्वरूप, बल्कि चुनावी चंदे के तौर-तरीकों में भी बदलाव आना तय है। वैसे सरकार इलेक्टोरल बॉन्ड के किसी स्वरूप को बनाए रखने के लिए कोई विधिगत परिवर्तन करे, तो आश्चर्य नहीं। हालांकि, जब चुनाव करीब हैं, तब इसमें किसी भी तरह के परिवर्तन के लिए रास्ता संभव करना आसान नहीं है। फिलहाल, यह इतिहास में दर्ज हो चुका है कि भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने पर्याप्त सुनवाई और विमर्श के बाद अपना दोटूक फैसला सुना दिया है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे, सभी ने इस योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सर्वसम्मति से फैसले सुनाए हैं, अतः अदालत का रुख स्पष्ट रूप से सामने आ गया है। अदालत के अनुसार, राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया में प्रासंगिक इकाइयां हैं। पारदर्शी निर्वाचन के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग की जानकारी बेहद जरूरी है। इस मोर्चे पर चुनावी बॉन्ड योजना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)(ए) के भी प्रतिकूल है। यह संदेह बहुत पुराना है कि राजनीतिक दल अगर चाहें, तो किसी काम के बदले किसी से चंदा ले सकते हैं। ऐसा नहीं है कि हर चंदे के पीछे ऐसी भावना होती है, पर कुछ चंदों पर इसलिए भी शंका होती है, क्योंकि धन लेने या देने वाले पर्याप्त पारदर्शिता से काम नहीं लेते हैं। मोटे तौर पर इलेक्टोरल बॉन्ड से शिकायत की भी यह बड़ी वजह है। न्यायालय चंदे के मामले में गोपनीयता के पक्ष में नहीं है। यह तथ्य है कि 2018 के बाद से गुमनाम दानदाताओं ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भारत में राजनीतिक दलों को लगभग 16,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। यहां इस बात के विस्तार में जाना बहुत जरूरी नहीं है कि ऐसी किसी भी योजना का सर्वाधिक लाभ सत्ताधारी पार्टी को होता है। साल 2013 के पहले कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब उसके पास सर्वाधिक धन एकत्र होता था और वित्त वर्ष 2013-14 में भाजपा कुल 673.8 करोड़ रुपये के धन के साथ, कांग्रेस को मिले 598 करोड़ रुपये से आगे निकल गई। अब यहां से आगे की राह सरकार को निकालनी है। किसी भी लोकतंत्र में अधिक से अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ना सराहनीय ही कहा जाएगा। वैसे, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को मानना किसी भी पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। जब चुनाव का एलान होना है, तब कोई भी दल अपने खजाने को घटाना नहीं चाहेगा। कुछ बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। जो लोग भारी-भरकम खर्च के साथ अपनी पार्टी को मैदान में जमाए हुए हैं, उनके लिए चिंता बहुत बढ़ गई है। क्या 15 दिन की वैधता अवधि के भीतर सियासी दल अपने चुनावी बॉन्ड खरीदारों को वापस कर पाएंगे? क्या भारत का चुनाव आयोग सूचना मिलने के एक सप्ताह के भीतर सभी चंदे या दान को सार्वजनिक कर पाएगा? नए चुनावी बॉन्ड पर रोक तो लग ही गई है, साथ ही, अब भारतीय स्टेट बैंक को 6 मार्च तक चुनाव आयोग में सभी विवरण जमा करने होंगे? तय है, आगे की राह किसी के लिए आसान नहीं है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मत्स्य पालन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की पहल

अभिलक्ष लिखी

वित्तीय साल 2024-25 के लिए अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के क्रियान्वयन में तेजी लाना एक उल्लेखनीय बिंदु है। इसका प्रयोजन मौसम में हो रहे बदलावों के प्रति सहनीय जल-कृषि, समुद्री उत्पादन, निर्यात में बढ़ोतरी और रोजगार के अवसर पैदा करना है। पिछले 10 सालों में, मछली उत्पादन दर में सालाना 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जो कि वर्ष 2022-23 में सर्वोच्च मात्रा को छूते हुए 175.45 लाख टन रही, जबकि 2013-14 में उत्पादन 95.79 लाख टन था (इसमें 75 फीसदी उत्पादन योगदान देश के के भीतर मीठे, कम खारे और खारे पानी के मछली पालन का है)। बड़ी बात कि 2022-23 में प्रति हेक्टेयर मछली उत्पादन 4.7 टन रहा, जो कि 2013-14 में 3 टन था। दूसरी ओर, हमारे सी फूड निर्यात में मुख्यतः बर्फ में लगा झींगा- 111 प्रतिशत का इजाफा दर्ज हुआ है। इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अनेकानेक सफलता गाथाएं फली-फूलीं। इस केंद्रीय योजना और राज्य सरकारों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के सहयोग से मत्स्य उत्पादन संवर्धन में प्राथमिक एवं उच्चतर स्तर पर 2.8 करोड़ मछुआरों-मछली पालकों को पेश आ रही समस्याओं को दूर किया गया। उदाहरणार्थ सौम्या सत्यानारायणा कर्नाटक के एक मछली पालक हैं और रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम तकनीक को अपनाकर, बहुत महंगी बिकने वाली मछली, जैसे कि तिलापिया का उत्पादन सफलतापूर्वक कर रहे हैं। इस तकनीक से जहां मछली घनत्व बढ़ता है वहीं पानी की बचत भी होती है। झारखंड से नवकिशर गोप एक मछली पालक हैं, जो केज-कल्चर के जरिये पैंगसियस किस्म की मछली का उत्पादन कर रहे हैं, इस तकनीक में चारा डालने, पानी बदलते रहने और समय पर फसल लेने पर ध्यान देना शामिल है। हरियाणा के सिरसा की कुलदीप कौर अपने 1 हेक्टेयर के खारे खेत में बनाए मछली तालाब में झींगा उत्पादन कर रही हैं। मत्स्य पालन विकास गाथा में महत्वपूर्ण अवयव है बुनियादी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना जैसे कि तटीय सूबों में मछली बंदरगाह और आगत-निर्गम केंद्र स्थापना। जल के भीतर कृत्रिम चट्टानों के निर्माण और समुद्र-नदियों में बाड़ाबंदी कर मछली का बीज डालकर मूल भंडार का घनत्व बढ़ाने पर सतत ध्यान दिया गया। ठीक इसी वक्त, मछुआरे महिला-पुरुषों के लिए अनेक सामाजिक कल्याण पहलकदमियों के लिए जरूरत के अवयव मुहैया करवाए गए। इनमें मछली के प्रजनन काल के दौरान शिकार पर प्रतिबंध वाले महीनों में जीवनयापन सहायता, दुर्घटना जीवन बीमा रकम में बढ़ोतरी और मत्स्य क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड से संस्थागत उधार मुहैया कराना शामिल है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने इस पुनीत विकास में तेजी के लिए पूर्णरूपेण सरकारी प्रयासों को सम्बल दिया है। छोटे स्तर के मछुआरों या मछली पालकों के जीवन को बेहतर बनाने, अंतरदेशीय और समुद्री मत्स्य उत्पादन क्षेत्र को आगे विकसित करने के लिए विशेषज्ञ कुछ अन्य विषयक जरूरतों को सुदृढ़ करने पर जोर देते हैं। प्रथम, प्रतिस्पर्धा और पैमाने की बचतों में इजाफे के लिए क्लस्टर अथवा क्षेत्र आधारित तरीके अपनाना। एक्वापार्क बनाने की शुरुआत इन उपायों को अपनाने का प्रमाण है। इन पार्कों के जरिये सकल उत्पादन तंत्र का स्वरूप पहिए में धुरे और तीलियों की तर्ज पर सोचा गया है जिसमें केंद्र में धुरे के तौर पर है उत्तम गुणवत्ता वाली मछली का उत्पादन और तीलियों के रूप में बीज, चारे, फसल उपरांत प्रसंस्करण तंत्र, खरीद-फरोख्त सुविधा इत्यादि। यह मत्स्य संवर्धन पार्क अन्य वैकल्पिक आमदनी जैसे कि जल-बूटी, एक्वेरियम में रखी जाने वाली सुंदर मछलियों और मोतियों का उत्पादन के मौके भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार के पार्क तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में निर्माणाधीन हैं। द्वितीय, नवउद्यमों के लिए उद्यमिता एवं नवाचार के जरिये निजी क्षेत्र की भागीदारी वाला सक्रिय माहौल बनाना। ज़ारा बायोटेक नामक स्टार्टअप इसका एक उदाहरण है, जो प्रशासनिक एवं विभागीय मदद से, जल-बूटी और प्रवाल-आधारित उत्पादन कर रहा है। उत्पादों की बिक्री ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिये हो रही है, यहां तक कि यूके, ऑस्ट्रेलिया, जापान को निर्यात हो रहा है। मछलियों की बीमारियों की शिनाख्त, जल गुणवत्ता निगरानी और स्वचालित चारा मशीन प्रणाली बनाने वाले संलग्न नवउद्यमों की उपस्थिति में भी इजाफा होने लगा है।

तृतीय, उत्पादक और सहकारी संगठनों के जरिये प्रभावी भागीदारी बनाकर मछली भावों की सौदेबाजी में मछुआरों व मछली पालकों का हाथ ऊपर किया जा सकता है। ऑरोफिश नामक सहकारी संगठन इसका एक उदाहरण है, जो पुड्डुचेरी के अनिथा मुत्थूवेल द्वारा चलाया 20 मछुआरा समूहों का नेटवर्क है। सहकारी उद्यम मछली की खरीद जिम्मेवारीपूर्वक करते हुए बाजार में 'रेडी टू ईट' उत्पाद पेश करते हैं। ऐसे सहकारी और मछली उत्पादन संघों का आपस में समन्वय बनवाकर, डिजिटल व्यापार हेतु ओपन नेटवर्क बनाने के यत्न भी हो रहे हैं। चतुर्थ, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने और तकनीकी रूप से उन्नत और नवीनतम संपर्क व्यवस्था से लैस मछली पकड़ने वाले जहाज निर्माण को बढ़ावा। कोचिन शिपयार्ड ऐसे उन्नत जहाजों का निर्माण कर रहा है तो स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने स्वदेशी तकनीक से विकसित करके आपातकालीन संदेश प्रेषण, मछली की बहुतायत वाले जलक्षेत्र की शिनाख्त और रियल टाइम में संपर्क बनाए रखने वाला तंत्र विकसित किया है। सततत्तापूर्ण मछली उत्पादन और बंदरगाहों पर साफ-सफाई पूर्ण उठान-लदान-भंडारण बनाने के साथ ही समुद्र में गए मछुआरों की सुरक्षा यकीनी बनाना जरूरी है।पंचम, श्रृंखला के अंतिम छोर तक उत्पाद पहुंचाने हेतु संलग्न सेवाओं वाला तंत्र स्थापित करना। इसके लिए तटीय जिलों में 'सागर मित्र' योजना के तहत युवाओं को साथ जोड़ने की योजना शुरू की गई है। वे बंदरगाहों और लदान केंद्रों पर सामान्य कार्यों के अलावा प्राप्त मछली का हिसाब-किताब रखने में सहायक होंगे। साथ ही, तटीय जिलों में 'सागर परिक्रमा' नामक एक प्रेरक पहलकदमी हुई है, उद्देश्य है, सरकार के उच्चतम स्तर पर बैठे अधिकारियों द्वारा सामुदायिक बैठकों के जरिये मछुआरों से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति जानना। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि मत्स्य प्रबंधन एवं नियामक तंत्र ऐसा बनाना होगा जिससे कि ईज ऑफ डुइंग बिजनेस प्रभावशाली ढंग से फलीभूत हो सके। तटीय जल-कृषि प्राधिकरण (संशोधन) कानून 2023 में मत्स्य फार्म और मछली-बीज उत्पादन का पंजीकरण सरल बनाया गया है। इसमें झींगा और मत्स्य कृषि निर्यात में हो रहे इजाफे के मद्देनज़र बीमारियों की निगरानी की जरूरत पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में मत्स्य जैविकी सुधार, प्रजाति विविधीकरण और मछली उत्पादन पर मौसम में हो रहे बदलावों के असर पर अग्रणी खोज जारी है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने विश्व बैंक के सहयोग से 6000 करोड़ रुपये की उप-योजना को मंजूरी दी है। इससे कार्य शिनाख्त में डिजिटल तकनीक के समावेश को सम्बल मिलेगा। इस राह से नवउद्यमों सहित सूक्ष्म, लघु उद्यमों को उत्पादन मूल्य श्रृंखला कार्यकुशलता व तलाश क्षमता सुदृढ़ करने को प्रोत्साहन दिया जाएगा। संस्थागत उधार तक पहुंच में इजाफा करने और फसल का बीमा करवाने को प्रोत्साहित करना ध्यान का एक अन्य बिंदु होगा। यह सब भारत में आजीविका और पौष्टिकता प्रदान करने वाले इस 'सूर्योदय क्षेत्र' के लिए बड़ा बदलावकारी सिद्ध होगा।

लेखक केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेरी मंत्रालय में सचिव हैं, व्यक्त विचार निजी हैं।

इलेक्टोरल बांड : बड़ी अदालत का बड़ा फैसला.....

लेखक राकेश अचल

राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए बेचे जाने वाले इलेक्टोरल बांड को यदि देश की सबसे बड़ी अदालत असंवैधानिक करार न देती तो हालांकि आसमान नहीं टूटता लेकिन न्यायपालिका के प्रति लगातार घटता विश्वास और कम हो जाता । बड़ी अदालत का ये फैसला अप्रत्याशित ही नहीं बल्कि लगातार कमजोर हो रहे लोकतंत्र और प्रदूषित हो रही चुनाव प्रणाली के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ताजा हवा के झोंके की तरह है। बड़ी अदालत के फैसले से हालाँकि चुनावी चंदे के लेनदेन पर कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ेगा । सरकारें कोई दूसरा रास्ता निकाल लेंगीं ,हाँ फिलहाल सत्तारूढ़ दल के ऊपर संविधान के खिलाफ काम करने के आरोपों की पुष्टि जरूर हो गयी है।

आपको याद ही होगा कि देश में वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के तीन साल बाद 2017 में केंद्र की भाजपा सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की घोषणा की थी। इस योजना को 29 जनवरी 2018 से कानूनी रूप से लागू कर दिया गया था। तब तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम चुनावी चंदे में साफ-सुथरा धन लाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए लाई गई है। लेकिन भाजपा और उसकी सरकार के मुंह में राम और बगल में छुरी थी ,ये किसी को पता नहीं था। योजना के तहत ये इलेक्टोरल बांड स्टेट बैंक ऑफ ऑफ इंडिया की 29 ब्रांचों से अलग-अलग रकम के बॉन्ड जारी किए गए।. इनकी रकम एक हजार रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक होती थी।. इसे कोई भी खरीद सकता था और अपनी पसंद की पार्टी को दान दे सकता था योजना के तहत, इलेक्टोरल बॉन्ड जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में जारी किये गए . हालांकि, इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा उन्हीं राजनीतिक पार्टियों को दिया जा सकता था, जिन्हें लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कम से कम एक फीसदी वोट मिले हों। राजनीतिक दलों को अनैतिक तरीके से कमाई का जरिया बने इस बांड का सबसे ज्यादा लाभ सत्तारूढ़ दल भाजपा को मिला,लेकिन विपक्षी दलों ने भी इस बंद के जरिये चुनावी चन्दा लेने से गुरेज नहीं किया । बात तो तब होती जब दूसरे दल इस चंदे का बहिष्कार करते ,किन्तु सभी राजनीतिक दल चोर-चोर मौसेरे भाई निकले। किसी को कम ,किसी को ज्यादा चन्दा इस बांड के जरिये मिला। दुर्भाग्य ये कि इस असंवैधानिक बांड को असंवैधानिक घोषित करने में सात साल लग गए। इस अवधि में जिसे जो कमाना था उसने उतना कमा लिया। अदालत के फैसले के बाद ये हजम किया गया चन्दा राजनितिक दलों से उगलवाया नहीं जा सकता। इस फैसले से सिर्फ चन्दाखोर राजनीतिक दलों को बेनकाब किया जा सकता है। इसलिए मुझे ये फैसला ताजा हवा का झोंका लगते हुए भी आधा-अधूरा लगता है। मुमकिन है कि बड़ी अदालत के फैसले के बाद 13 मार्च को चुनाव आयोग अपनी वेब साइट पर इलेक्टोरल बांड से राजनीतिक दलों द्वारा कमाए गए चुनावी चंदे के आंकड़े जाहिर कर दे ,लेकिन फिलहाल आपको बता दें कि इलेक्टोरल बॉन्ड की वैधता को चुनौती देने वालों में एक संस्था एडीआर का दावा है कि मार्च 2018 से जनवरी 2024 के बीच राजनीतिक पार्टियों को चुनावी बॉन्ड के जरिए 16,492 करोड़ रुपये से ज्यादा का चंदा मिला है। चुनाव आयोग में दाखिल 2022-23 के लिए ऑडिट रिपोट.के अनुसार के मुताबिक, बीजेपी को 1,294 करोड़ रुपये से ज्यादा का चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिला , जबकि, उसकी कुल कमाई 2,360 करोड़ रुपये रही. यानी, भाजपा की कुल कमाई में 40 फीसदी हिस्सा इलेक्टोरल बॉन्ड का रहा।

जाहिर है कि ये चुनावी बांड आम आदमी ने न खरीदे होंगे और न राजनीतिक दलों के खजाने में जमा कराये होंगे । ये बांड खरीदने वाले निश्चित रूप से वे औद्योगिक घराने होंगे जिनके इशारे पर सरकार कठपुतली की तरह नाचती दिखाई देती है। ये कौन लोग हो सकते हैं इनके बारे में विपक्षी दल लगातार अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं ,लेकिन किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया । जनता भी इनके बारे में ज्यादा सोचती-समझती नहीं है । उसके लिए तो कोऊ नृप होय ,हमने का हानि वाली कहावत ही लागू होती है। इस काले चंदे से सत्तारूढ़ दल ने पहली बार अपनी पार्टी के संगठनात्मक ढाँचे को मजबूत किय। देश के आधे से ज्यादा जिलों में पार्टी के लिए पांच सितारा कार्यालय बनाये। लेकिन किसी ने चूं तक नहीं की ,बल्कि रामनामी ओढ़कर जनता को लगातार चूना लगाने वालों को जनता का लगातार समर्थन मिला।

देश की धर्मभीरु और अंधभक्त जनता नहीं जानना चाहती कि इलेक्टोरल बॉन्ड से सबसे ज्यादा फायदा सत्ताधारी पार्टी को होता है और वो इसका अनुचित फायदा उठाती है। याचिकाकर्ता एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 से 2021-22 के बीच भाजपा को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 5,271 करोड़ रुपये का चंदा मिला. सबसे ज्यादा चंदा उसे 2019-20 में मिला था। वो चुनावी साल था और तब बीजेपी को 2,555 करोड़ रुपये का चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड से आया था। इसी काले चंदे कि बदौलत देश में पहली बार आजादी के बाद का सबसे मंहगा चुनाव लड़ा गया। इतना मंहगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हुए खर्च को भी पीछे छोड़ दिया गया।

आप देखेंगे कि बड़ी अदालत का फैसला आने से पहले ही सत्तारूढ़ दल अपना खेला यानि खेल कर चुके है। उन्हें इन बांड्स के जरिये जो कमाना था सो कमा लिय। इसी वजह से 2024 का चुनाव भी इतना मंहगा होगा कि कांग्रेस समेत कोई दूसरा दल भाजपा के मुकाबले खड़ा ही नहीं हो पायेगा। भाजपा को हारने का सपना देखने वालों को भाजपा की मालिई हालत का अनुमान ही नहीं है। देश के किसान हों,मजदूर हों या और कोई वर्ग भाजपा का बाल बांका भी नहीं कर सकते। आज भाजपा दुनिया कि न हो लेकिन देश कोई तो सबसे मालदार पार्टी है। इस मालदार पार्टी के पास माल भी है और मालामाल करने वाले राम का नाम भी।

लोकतंत्र इन दोनों से बचकर आखिर जाएगा कहाँ ? अब जनता के ऊपर है कि वो नीम बेहोशी से बाहर आये और मान ले कि बीते दस साल में देश में संवैधानिक से ज्यादा असंवैधानिक काम हुए हैं। सरकार ने अपना और अपनी पार्टी का पेट भरा है। किसानों और मजूरों के साथ ही आम आदमी को तो केवल कमर तोड़ी है ताकि जनता सरकार के सामने तनकर खड़ी न हो पाए। अदालत ने अपना काम कर दिया ह।

अब जनता जाने कि उसे क्या काना है और क्या नहीं ,क्योंकि चन्दाचोर अब जनता की अदालत में ही आने वाले हैं।

विचार मंथन

चुनावी बांड की जानकारी सार्वजनिक होने पर खुलेंगे कई राज

(लेखक-सनत कुमार जैन)

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों की खंडपीठ ने चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुना दिया है। सरकार की चुनावी बांड योजना को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताया है।सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से गुमनाम चुनावी बांड योजना को संविधान के अनुच्छेद 19(1) ए के तहत असंवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया है। काले धन पर पाबंदी लगाने के नाम पर लागू की गई, चुनावी बांड योजना पर टिप्पणी करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है।जनता के सूचना अधिकार को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए इलेक्ट्रोल बांड का कानून सूचना अधिकार का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वोटर को राजनीतिक पार्टियों की फंडिंग जानने का पूरा हक है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 से लेकर अभी तक की चुनावी बांड की जानकारी को सार्वजनिक पटल पर प्रदर्शित करने के आदेश दिए हैं। पिछले कई वर्षों से यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थी। भले देर से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, देर से फैसला आया। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुरूप नागरिकों के दो सबसे बड़े महत्वपूर्ण अधिकार को सुरक्षित रखने का काम किया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना का संवैधानिक अधिकार संविधान में शामिल है। सरकार द्वारा 2018 में जो चुनावी बांड योजना लाई गई थी।वह योजना इस तरह से बनाई गई थी।जिसमें सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण हो। पिछले 5 सालों में सबसे ज्यादा चुनावी चंदा इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त हुआ है। विपक्षी दल को इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से किसने चंदा दिया है। इसका पता सरकार को लग जाता है। सरकार में बैठे राजनीतिक दल को किसने चंदा दिया है। यह किसी को पता नहीं लग पाता था। चुनावी बाँड का सबसे ज्यादा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ है। बहुत सोच समझकर यह योजना केंद्र सरकार द्वारा अपने लिए लाई गई थी। पारदर्शिता के नाम पर योजना को अपारदर्शी बनाया गया। केंद्र सरकार को बांड के माध्यम से सबसे ज्यादा चंदा मिला। इसके साथ विपक्षी दलों को नियंत्रित करने के लिए चुनावी बांड का एक ऐसा अस्त्र मिल गया था।जिसके कारण विपक्षी दल पाई-पाई के लिए मोहताज हो गए। भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने की शक्ति किसी भी विपक्षी दल में नहीं रह गई थी। कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के पास भी भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए आर्थिक संसाधन नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा,काले धन को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने जो कानून बनाए हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के माध्यम से हर खाता तक सरकार और जांच एजेंसियों की पहुंच है। आयकर विभाग, सीबीआई तथा केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय किसी भी लेनदेन की जांच, किसी भी समय कर पाती है। हर खाते का एक्सेस रिजर्व बैंक और जांच एजेंसियों के पास है। चुनावी बांड के जरिए काले धन पर रोक नहीं लग सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है, कि सरकार नागरिकों के निजी अधिकारों के साथ छेड़छाड़ कर रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है। उसमे आयकर और कंपनी एक्ट में जो संशोधन सरकार द्वारा किए गए थे। उन्हें भी सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है, चुनावी बांड के जरिए जो भी चंदा दिया गया है। उसकी सारी जानकारी चुनाव आयोग को 6 मार्च तक बैंक द्वारा दी जाए।सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को यह सारी जानकारी सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब देश को यह पता लगेगा, किस राजनीतिक दल को किसने कितना चंदा दिया है। यह जानकारी सार्वजनिक होने के बाद सरकार के ऊपर विपक्षी दलों का हमला भी बढ़ सकता है। सरकार की मुसीबतें भी आने वाले समय पर बढ़ सकती है।

ऐसा माना जा सकता है। जो राजनीतिक दल सरकार में होता है। सरकार से अपने हितों को ध्यान में रखते हुए चंदा देकर सरकार से निर्णय कराए जाते हैं। पिछले 5 वर्षों में चुनावी बांड के जरिए,भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों के मुकाबले सबसे ज्यादा चंदा मिला है। विपक्षी दलों को ऊंट के मुंह में जीरे के समान चुनावी चंदा मिला है।

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद निश्चित रूप से राजनीतिक दलों की पारदर्शिता बढ़ेगी। 2014 के बाद सूचना अधिकार कानून में जो अधिकार मिले थे। सरकार गोपनीयता के नाम पर सूचना उपलब्ध नही करा रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से नागरिकों को सूचना अधिकार कानून, चुनावी प्रक्रिया और राजनीतिक दलों के प्रति विश्वास बढ़ेगा,यह आशा की जा सकती है।

भारत का रुख स्वास्थ्य जरुरतों के साथ नवाचार संतुलित करना: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

प्रस्तावित व्यापार समझौतों में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और दवा क्षेत्र के मुद्दों पर भारत का रुख सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के साथ नवाचार को संतुलित करता है। सस्ती दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है और जेनेरिक दवा उद्योग के विकास को बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के अनुसार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेटा विशिष्टता और पेटेंट लिंकेज जैसे मुद्दों पर विकसित देशों की मांगों का विरोध करके भारत यह सुनिश्चित करता है कि जेनेरिक दवा निर्माताओं को अधिक बाजार पहुंच मिले और जीवन रक्षक दवाओं की लागत काफी कम हो जाए। जीटीआरआई ने ककि` कि भारत का दृष्टिकोण सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के साथ नवाचार को संतुलित करने, अपने विकासात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के लिए टीआरआईपीएस की मजबूत व्याख्या को अपनाने और विशेष रूप से दवा क्षेत्र में अनुचित एकाधिकार की स्थापना को रोकने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह मुद्दा महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित देश हमेशा भारत जैसे विकासशील देशों पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपी) समझौते के तहत सहमत आईपीआर मामलों को लेकर एफटीए में दबाव बनाते हैं। व्यापार की भाषा में इसे टीआरआईपीएस-प्लस कहा जाता है।

भारत ने चीन, वियतनाम से सोलर ग्लास आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू की

नई दिल्ली । भारत ने चीन और वियतनाम से कुछ सोलर ग्लास के आयात के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) चीन और वियतनाम में बने टेक्सचर्ड टेम्पर्ड कोटेड और अनकोटेड ग्लास की कथित डंपिंग की जांच कर रही है। इस उत्पाद को बाजार में सोलर ग्लास या सोलर फोटोवोल्टिक ग्लास जैसे विभिन्न नामों से भी जाना जाता है। घरेलू उद्योग की ओर से बोरोसिल रिन्यूएबल्स लिमिटेड ने जांच और आयात पर उचित डंपिंग रोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन दायर किया है। अधिसूचना के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा प्रमाणित आवेदन के आधार पर और आवेदक द्वारा डंपिंग तथा घरेलू उद्योग को इससे नुकसान होने के संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य से संतुष्ट होने के बाद प्राधिकरण कथित डंपिंग के मामले में डंपिंग रोधी जांच शुरू करता है। इसमें कहा गया कि यदि डंपिंग से घरेलू कंपनियों को वास्तविक क्षति होने की पुष्टि होती है, तो डीजीटीआर आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। वित्त मंत्रालय शुल्क लगाने के संबंध में अंतिम निर्णय लेगा। सस्ते आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है या नहीं यह निर्धारित करने के लिए देशों द्वारा डंपिंग रोधी जांच की जाती है। जांच में नुकसान की पुष्टि होने पर कोई देश जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बहुपक्षीय शासन के तहत ये शुल्क लगा सकता है। चीन समेत विभिन्न देशों से सस्ता आयात रोकने के लिए भारत पहले ही कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगा चुका है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक अब 15 मार्च तक स्वीकार कर सकेगा जमा

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के जमा स्वीकार करने पर रोक लागू करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ा दी है। अब रोक 1 मार्च की जगह 16 मार्च से प्रभावी होगी। आरबीआई ने कहा कि पीपीबीएल के ग्राहकों (व्यापारियों सहित) के हितों को ध्यान में रखते हुए समय सीमा बढ़ाई गई है। आरबीआई के आदेश में कहा गया है, ÷15 मार्च 2024 के बाद किसी भी ब्याज, कैशबैक, पार्टनर बैंकों से स्वीप इन या रिफंड के अलावा किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेट, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि में कोई और जमा या क्रेडिट लेनदेन या टॉपअप की अनुमति नहीं दी जाएगी (29 फरवरी, 2024 की पूर्व निर्धारित समयसीमा से विस्तारित)। पहले 31 जनवरी को जारी आदेश के अनुरूप, इसके ग्राहकों द्वारा बचत बैंक खाते, चालू खाते, प्रीपेड उपकरण, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि सहित अपने खातों से शेष राशि की निकासी या उपयोग की अनुमति उनके उपलब्ध शेष तक बिना किसी प्रतिबंध के होगी। फंड ट्रांसफर जैसी बैंकिंग सेवाएं (एईपीएस, आईएमपीएस इत्यादि जैसी सेवाओं के नाम और प्रकृति के बावजूद), बीबीपीओयू और यूपीआई सुविधा बैंक द्वारा 15 मार्च 2024 के बाद भी प्रदान की जाएगी। हालाँकि, ग्राहकों या वॉलेट धारकों द्वारा उपलब्ध शेष राशि की निकासी या उपयोग के उद्देश्य से, एईपीएस, आईएमपीएस और यूपीआई सहित ऐसे फंड ट्रांसफर की अनुमति किसी भी समय दी जा सकती है।

कार्लाइल ने यस बैंक में 1.3 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । वैश्विक निवेश फर्म द कार्लाइल ग्रुप ने खुले बाजार लेनदेन के जरिये निजी क्षेत्र के ऋणदाता यस बैंक में 1,057 करोड़ रुपये में अपनी 1.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। अमेरिका के समूह ने अपने सहयोगी सीए बास्क इन्वेस्टमेंट्स के माध्यम से बीएसई पर निजी क्षेत्र के ऋणदाता यस बैंक के 39 करोड़ शेयर बेचे। बीएसई पर उपलब्ध सौदे के आंकड़ों के अनुसार सीए बास्क इन्वेस्टमेंट्स ने यस बैंक में 1.35 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 39 करोड़ शेयर बेचे। प्रत्येक शेयर का निपटान औसतन 27.10 रुपये की कीमत पर किया गया, जिससे सौदे का मूल्य 1,056.90 करोड़ रुपये बैठता है। इस सौदे के बाद कार्लाइल समूह की यस बैंक में हिस्सेदारी 6.43 प्रतिशत से घटकर 5.08 प्रतिशत रह गई है। इस बीच मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर ने यस बैंक में 30.63 करोड़ से अधिक शेयरों का अधिग्रहण किया है, जो 1.06 प्रतिशत हिस्सेदारी के समान है।

असम को जल्द मिलेगा चिप पैकेजिंग प्लांट: राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने असम में 25,000 करोड़ रुपये की लागत वाले सेमीकंडक्टर पैकेजिंग संयंत्र का ऐलान करते हुए कहा कि असम को जल्द ही 25,000 करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर पैकेजिंग संयंत्र मिलने वाला है। यह टाटा का प्रस्ताव है, जिसका आकलन किया जाना है। चंद्रशेखर ने हाल ही में गुवाहाटी में डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल्स समिट में यह बात कही। पिछले साल दिसंबर में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई के लिए टाटा समूह की निवेश योजनाओं का खुलासा किया था। एक्स पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा था, टाटा ग्रुप ने 40,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ असम में सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग संयंत्र के लिए आवेदन किया है। इससे बड़ा बदलाव होगा। निवेश की यह घोषणा पिछले साल अगस्त में राज्य के मंत्रिमंडल द्वारा सेमीकंडक्टर नीति को मंजूरी देने के बाद की गई थी। चंद्रशेखर ने गुवाहाटी में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड आईटी (एनआईईएलआईटी) के सहयोग से आयोजित डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल समिट के पहले संस्करण में अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस शिखर सम्मेलन में एनआईईएलआईटी और इंटेल, एचसीएल, माइक्रोसॉफ्ट, किंडराइल, आईआईएम रायपुर, आईआईटीएम ग्वालियर, विप्रो और अन्य कंपनियों के बीच 20 से अधिक रणनीतिक सहयोग होंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस दौरान एलएंडटी , इन्फोसिस और महिंद्रा एंड महीना के शेयर ऊपर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 376.26 अंक करीब 0.52 फीसदी बढ़कर 72,426.64 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 72,545.33 के उच्च और 72,218.10 के निचले स्तर तक पहुंचा।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 129.95 अंक तकरीबन 0.59 फीसदी बढ़कर 22,040.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में विप्रो का शेयर सबये ज्यादा 4.79 फीसदी बढ़कर सबसे अधिक लाभ के साथ बंद हुआ। इसके अलाव एमएंडएम, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, मारुति, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया और इंडसइंड बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 5 फीसदी से अधिक बढ़े। इनकी कीमतें 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 52 सप्ताह के शीर्ष स्तर पर पहुंच गयीं। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, एसबीआई, रिलायंस, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट के साथ ही बंद हुए।

इससे अलावा बजाज ऑटो और मारुति सूजुकी के शेयर बढ़े हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों ने आज 1 साल के रिकॉर्ड तोड़ते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। इसके शेयर एनएसई पर 2.72 फीसदी की बढ़त के साथ 8,344 रुपये पर बंद हुए जबकि मारुति के शेयर भी 52 सप्ताह का रिकॉर्ड तड़ते हुए 11,480 रुपये पर पहुंच गए। एशियाई बाजारों में जापान का

निक्केई, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लाभ के साथ बंद हुए। वहीं गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले गत सप्ताह भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत मजबूत हुई है। एनएसई का निफ्टी 96 अंक बढ़कर 22,000 के पार खुला। हालांकि बाद में थोड़ा लुढ़क कर 21989 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। जबकि सेंसेक्स करीब 373 अंक ऊपर खुलकर 72269 के लेवल पर कारोबार करता नजर आ रहा था। बीपीसीएल, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, हीरो मोटो और हिंडाल्को के शेयर तेजी के साथ कारोबार करते हुए दिखाई दिए।

गोफर्स्ट के लिए स्पाइसजेट के सीएमडी और बिजी बी एयरवेज ने संयुक्त रूप से लगाई बोली

नई दिल्ली ।

स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और बिजी बी एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त रूप से नकदी संकट से जूझ रही गोफर्स्ट के लिए बोली लगाई है।

स्पाइसजेट के एक अधिकारी ने बताया कि उसके अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ अपनी व्यक्तिगत क्षमता में बोली लगाई है। अधिकारी ने कहा, नई एयरलाइन के लिए परिचालन भागीदार के रूप में स्पाइसजेट की भूमिका में आवश्यक कर्मचारी, सेवाएँ और उद्योग विशेषज्ञता प्रदान करना शामिल है। इस सहयोग से दोनों वाहकों के बीच तालमेल उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे बेहतर लागत प्रबंधन, राजस्व वृद्धि और भारतीय विमानन उद्योग के भीतर एक मजबूत बाजार स्थिति होगी। राजस्व विस्तार पर ध्यान देने के साथ, स्पाइसजेट का लक्ष्य अपनी स्थापित बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमताओं का लाभ उठाना है।

रखरखाव, ग्राउंड हैंडलिंग और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न कार्यों में संसाधन आवंटन को अनुकूलित करके, एयरलाइन अधिक दक्षता और लाभ प्राप्त करने की उम्मीद करती है। स्पाइसजेट वर्तमान में एक पुनरुद्धार योजना को अमली जामा पहना रही है, और हाल ही में 744 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश की पहली किस्त पूरी की है। कंपनी ने अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

स्पाइसजेट के पास पहले से ही क्यूआईपी के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए वैध शेयरधारक अनुमोदन है, जिससे आगे शेयरधारक अनुमोदन की आवश्यकता समाप्त हो गई है। अजय सिंह ने कहा, ÷मेरा दृढ़ विश्वास है कि गोफर्स्ट में अपार संभावनाएं हैं और इसे स्पाइसजेट के साथ घनिष्ठ तालमेल में काम करने के लिए पुनर्जीवित किया जा सकता है, जिससे दोनों वाहकों को लाभ होगा। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर प्रतिष्ठित स्लॉट, अंतर्राष्ट्रीय यातायात अधिकार और 100 से अधिक एयरबस नियो विमानों के ऑर्डर के अलावा, गोफर्स्ट यात्रियों के बीच एक विश्वसनीय और मूल्यवान ब्रांड है। मुझे इस लोकप्रिय एयरलाइन को पुनर्जीवित करने और पारस्परिक विकास और सफलता के लिए इसकी ताकत का लाभ उठाने के प्रयासों में योगदान देने में खुशी हो रही है।

कॉग्निजेंट के कर्मचारियों की संख्या घटी

- वर्ष 2023 में 7600 लोगों ने छोड़ी कंपनी

मुंबई । कॉग्निजेंट के कर्मचारियों की संख्या 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में 7,600 घटकर 347,700 हो गई है। कंपनी की 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। नैस्डैक-सूचीबद्ध आईटी और आउटसोर्सिंग फर्म है और वित्तीय वर्ष का पालन करती है। कंपनी ने अपनी कुल कर्मचारियों की संख्या 347,700 बताई, जो कि दिसंबर तिमाही 2024 के ओ खिर में सालाना आधार पर 1,100 अधिक थी। कॉग्निजेंट ने बताया कि नौकरी छोड़ने वालों की दर 2022 में 25.6 प्रतिशत की तुलना में 2023 में घटकर 13.8 प्रतिशत हो गई। कम नियुक्ति का यह ट्रेंड कमजोर आर्थिक संकेतकों, बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र में चल रहे दबाव को` दिखाता है। कंपनी ने अकेले भारत में 4,500 कर्मचारियों की उल्लेखनीय कमी देखी, जिसमें लगभग 3,000 कर्मचारी ऑनसाइट थे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसके वर्कफोर्स वितरण में भारत में लगभग 250,000 कर्मचारी, नार्थ अमेरिका में 40,500, कॉन्टिनेंटल यूरोप में 16,300, यूके में 8,500 और अन्य स्थानों पर 28,400 कर्मचारी शामिल हैं। आईटी फर्म ने क्लाइंट ऑफरिंग और आंतरिक संचालन दोनों में जेनएआई सहित एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग पर जोर दिया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया कि एआई में प्रगति से कुछ सेवाओं की मांग कम हो सकती है या अफेक्ट प्राइस और शर्तें प्रभावित हो सकती हैं, जिसके कारण कार्यबल में कमी आ सकती है।

जनवरी में उड़ानों की देरी से पांच लाख यात्री प्रभावित हुए: डीजीसीए

मुंबई ।

इस साल जनवरी में उड़ानों में देरी होने से 4.82 लाख यात्रियों पर असर पड़ा है, जिसके मुआवजे के तौर पर एयरलाइन कंपनियों को 3.69 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा। मासिक हवाई यातायात आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में घरेलू यात्रियों की संख्या पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 4.69 प्रतिशत बढ़कर 1.31 करोड़ हो गई। जनवरी, 2023 में घरेलू यात्री यातायात 1.25 करोड़ रहा था। आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने उड़ानों में देरी के अलावा विभिन्न एयरलाइंस ने 1,374 यात्रियों को विमान में सवार होने से रोक दिया था।

इसकी वजह से वैकल्पिक उड़ानों के इंतजाम और ठहरने एवं खानपान सुविधा देने पर 1.28 करोड़ रुपये खर्च हुए। डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में उड़ानों के रद्द होने पर एयरलाइंस ने 68,362 यात्रियों को रिफंड और दोबारा बुकिंग की पेशकश के साथ 1.43 करोड़ रुपये भी हर्जाने के तौर पर दिए। घरेलू यात्री यातायात के मोर्चे पर पिछले महीने इंडिगो ने 79.09 लाख यात्रियों के साथ 60.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके बाद 15.97 लाख यात्रियों के साथ एयर इंडिया की 12.2 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

इंडिया यामाहा मोटर तीन लाख स्कूटर वापस मंगाएगी

नई दिल्ली ।

इंडिया यामाहा मोटर ब्रेक के कलपुर्जे को ठीक करने के लिए अपने 125 सीसी स्कूटर मॉडल रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड और फैसिनो 125 एफआई हाइब्रिड की लगभग तीन लाख इकाइयां वापस मंगाएगी। दोपहिया वाहन बनाने वाली जापान की कंपनी ने कहा कि वह एक जनवरी, 2022 से चार जनवरी, 2024 के बीच विनिर्मित स्कूटर इकाइयों को तत्काल प्रभाव से वापस मंगा रही है। कंपनी ने कहा कि वह उत्पादों की उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानक को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी के तहत इंडिया यामाहा मोटर (आईवाईएम) ने स्वैच्छिक रूप से 125 सीसी के स्कूटरों की लगभग 3,00,000 इकाइयों को वापस मंगाने की घोषणा की है। बयान के अनुसार वाहन वापस मंगाने का उद्देश्य रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड और फैसिनो 125 एफआई हाइब्रिड स्कूटर मॉडल (जनवरी 2022 के बाद के मॉडल) की चुनिंदा इकाइयों में ब्रेक लीवर के काम करने से जुड़ी समस्या का हल करना है।

आईवाईएम ने कहा कि संबंधित ग्राहकों को कलपुर्जे मुफ्त उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्राहक वाहन वापस मंगाये जाने की पात्रता के बारे में जानने के लिए कंपनी की वेबसाइट के सेवा अनुभाग पर जा सकते हैं और अपने चेसिस नंबर का विवरण दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राहक मदद के लिए समीप के यामाहा सेवा केंद्र पर जा सकते हैं।

ब्लूस्टोन ज्वैलरी अपना आईपीओ जल्द लाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के अध्यक्ष रतन टाटा और ज़ेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के निवेश वाली ज्वेलरी कंपनी स्टोन ज्वैलरी अपना आईपीओ लाने पर विचार कर रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी ने लगभग 2,000 करोड़ जुटाने की योजना बनाई है। ऑनलाइन-फर्स्ट ज्वैलर आईपीओ के लिए निवेश बैंकरों से प्रस्ताव मांग रहा है, जिसमें 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी को कम करने की संभावना है, जिसमें शेयरों का एक नया मुद्दा और बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने शुरुआत में 2022 में सार्वजनिक होने की योजना बनाई थी, लेकिन योजनाओं को स्थगित कर दिया और इसके बजाय निजी इक्विटी (पीई) फर्मों से धन जुटाया। पिछले साल ब्लूस्टोन ने निखिल कामथ, रंजन पई, अमित जैन, दीपिंदर गोयल और 360 वन जैसे पुराने और नए निवेशकों से मिलकर 550 करोड़ का निवेश आकर्षित किया, जिससे शुद्ध मूल्यांकन 440 मिलियन के करीब पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, हीरो एंटरप्राइज के सुनील कांत मुंजाल के नेतृत्व में 2022 में 30 मिलियन डॉलर के फंडिंग राउंड के बाद कंपनी का मूल्य 410 मिलियन डॉलर आंका गया। टाइटन के तनिष्क ब्रांड, कल्याण ज्वैलर्स और नव सार्वजनिक सेनको गोल्ड जैसे सूचीबद्ध दिग्गजों के साथ, ब्लूस्टोन खुद को उद्योग में एक अग्रणी दावेदार के रूप में स्थापित कर रहा है। सेनको इस क्षेत्र की नवीनतम सूचीबद्ध इकाई, वर्तमान में 5,908 करोड़ के मूल्यांकन पर कारोबार कर रही है, जो पिछले साल जुलाई में इसके आईपीओ मूल्य से 141 प्रतिशत प्रीमियम है। वर्तमान में ब्लूस्टोन के देश भर में 180 से अधिक बिक्री केंद्र हैं और यह 8,000 से अधिक अद्वितीय आभूषण डिजाइनों की एक विस्तृत सूची प्रदान करता है। कंपनी की मुंबई, जयपुर और अन्य स्थानों पर आभूषण निर्माण इकाइयां हैं।

कच्चे तेल में तेजी, पेट्रोल और डीजल भी महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 1 डॉलर बढ़कर 82.86 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट आने के बाद शुक्रवार को 1 डॉलर से ज्यादा का उछाल दिख रहा है। इसका असर शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी दिख रहा है। शुक्रवार को यूपी, बिहार और पंजाब सहित देश के तमाम राज्यों में तेल की कीमतों में बदलाव हुआ है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार पंजाब के अमृतसर में पेट्रोल 18 पैसे महंगा होकर 98.44 रुपये लीटर हो गया है। यहां डीजल भी 17 पैसे चढ़ा और 88.76 रुपये लीटर बिक रहा है। यूपी मेरठ में पेट्रोल 23 पैसे महंगा होकर 96.46 रुपये लीटर तो डीजल 22 पैसे चढ़कर 89.64 रुपये लीटर हो गया है। इसके अलावा बिहार के गया शहर में पेट्रोल 30 पैसे सस्ता हुआ और 108.31 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 27 पैसे गिरावट के साथ 95.04 रुपये लीटर बिक रहा है। ग्ेलोबल मार्केट में एक दिन पहले सस्ता हुआ क्रूड ऑयल फिर 1 डॉलर से ज्यादा के उछाल पर है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 1 डॉलर बढ़कर 82.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 78.11 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, अमृतसर में पेट्रोल 98.44 रुपये और डीजल 88.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मेरठ में पेट्रोल 96.46 रुपये और डीजल 89.64 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गया में पेट्रोल 108.31 रुपये और डीजल 95.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एक जुलाई से शुरू होगा लंका प्रीमियर लीग का पांचवां संस्करण

कोलंबो। बहुप्रतीक्षित लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का पांचवां संस्करण इस साल 1 जुलाई से 31 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) बोर्ड ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की।मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) और द हंड्रेड के साथ ओवरलैप एलपीएल 2024 के लिए एक संभावित चुनौती है। एमएलसी का दूसरा सीजन 4 जुलाई से शुरू हो रहा है और द हंड्रेड 23 जुलाई से 18 अगस्त खेला जाएगा। इसलिए, एलपीएल को कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए प्रतिद्वंद्वी लीगों की होड़ के बीच शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा को आकर्षित करने का कार्य। पिछले साल इसी तरह के शेड्यूलिंग टकराव का सामना करने के बावजूद, जिसने विदेशी खिलाड़ियों को सुरक्षित करने की इसकी क्षमता को प्रभावित किया था। एलपीएल अपने रोमांचक क्रिकेट एक्शन से स्थानीय दर्शकों को लुभाने में कामयाब रहा है। एलपीएल का समृद्ध इतिहास एक अलग नाम वाली एक ही टीम के प्रभुत्व से रेखांकित होता है। जाफना स्टालोंस ने पहला सीज़न जीता और जाफना किंग्स ने थिसारा परेरा के नेतृत्व में दूसरे और तीसरे संस्करण में जीत हासिल की। हालांकि, 2023 सीज़न में बी-लव कैंडी के रूप में एक नया चैंपियन उभरा, जिसकी कप्तानी वानिंदु हसरंगा ने की, जो लीग के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में बदलाव का प्रतीक है।

हम वही करना चाहते हैं जो हमने पिछले साल किया था: हरमनप्रीत कौर

मुंबई,

'दबाव न लें', 'चीजों को सरल रखें', और 'अपनी और एक-दूसरे की सफलता का आनंद लें', सरल कीवर्ड, अक्सर विशिष्ट खेलों में उछाले जाते हैं, लेकिन ये वे स्तंभ थे जिन्होंने मुंबई इंडियंस का निर्माण किया। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन सत्र में खिताब जीतने का अभियान। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे सीज़न का पहला मैच (23 फरवरी) शुरू होने में ठीक एक हफ्ते का समय बचा है और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को मुंबई में प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस में यही बात दोहराई। हरमनप्रीत ने कहा, हम बस वही करना चाहते हैं जो हमने पिछले साल किया था, चीजों को सरल रखें और अपने क्रिकेट का आनंद लें। हम उम्मीद करते हैं कि सभी खिलाड़ियों को स्पष्ट भूमिकाएँ दी जाएँ ताकि वे वहाँ जाकर प्रदर्शन कर सकें। मुझे पता है कि इस बार बहुत सारी निगाहें हम पर होंगी क्योंकि हमने पिछले साल जीत हासिल की थी, लेकिन पिछले साल भी हमने खुद पर कोई दबाव नहीं डाला था। हम एक समान माहौल बनाने की कोशिश करेंगे, एक-दूसरे की सफलता का आनंद लेंगे और एक-दूसरे का समर्थन करेंगे। यह हमारे कोचों के बारे में सबसे अच्छी बात है। उनका समर्थन बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। चार्लोट एडवर्ड्स, एमआई की मुख्य कोच, और झूलन गोस्वामी, एमआई की मेंटर और बॉलिंग कोच, महिलाओं के खेल के दो प्रमाणित दिग्गजों ने समान रूप से मजबूत कोचिंग माहौल बनाने के लिए हाथ मिलाया है।चार्लोट ने कहा, हमने 12 महीने पहले टीम चुनी थी, और खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के समूह के लिए यह कितना अद्भुत अनुभव था। उस ट्रॉफी को उठाना, जैसा कि हरमन ने उस रात ब्रेबॉर्न स्टेडियम में किया था, मेरे करियर के मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन

लोगों के साथ हमने यह किया, सभी युवाओं के साथ। यह एक अविश्वसनीय समय था।

झूलन के साथ काम करने के लिए। उसने मुझे कई बार आउट किया और वह मुझे इसकी बहुत याद भी दिलाती है। आखिरकार उनके साथ काम करना और एक ही टीम में रहना बहुत अच्छा था। गोस्वामी ने एडवर्ड्स के साथ मिलकर काम करने के बारे में कहा, चार्लोट और मैं बहुत सी चीजों पर चर्चा करने की कोशिश करते हैं। यहां तक कि जब हम दोनों व्यस्त होते हैं, तब भी हम संपर्क में रहने की कोशिश करते हैं। वह पूरी तरह से पेशेवर रही है, मैंने उससे बहुत कुछ सीखा है और उसके साथ हर पल का आनंद लेती हूं।

अश्विन की गलती से भारतीय टीम पर लगा जुर्माना

राजकोट ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अंपायर से उलझ गये। इस कारण भारतीय टीम पर जुर्माना लगा है। अश्विन इस मैच में बल्लेबाजी करते समय मैदानी इंपायर से उलझ गए और इससे पूरी टीम को नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय टीम पर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दौरान उसके बल्लेबाजों के पिच के बीच में दौड़ने की दूसरी गलती के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया गया। ऐसे में अब इंग्लैंड को अपनी पारी की शुरुआत से पहले ही पांच रन मिल जाएंगे। अश्विन के पिच के बीच में दौड़ने के कारण भारत पर ये जुर्माना लगाया गया है। इस मामले में मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने अश्विन को फटकार भी लगाई। दूसरे दिन के खेल के दौरान भारतीय पारी के 102वें ओवर की तीसरी गेंद के बाद अंपायन ने पिच के बीच में दौड़ने के लिए अश्विन को चेतावनी भी दी थी। इससे पहले रविंद्र जडेजा ने भी पहले दिन के खेल के दौरान ऐसा किया था। अश्विन ने रेहान अहमद की गेंद को खेला और बिना यह समझे कि वह कहां दौड़ रहे हैं तुरंत एक रन लेने के लिए दौड़ पड़े। अश्विन से पहले अंपायरों ने टेस्ट के पहले दिन जडेजा को भी पिच के बीच में दौड़ने के को लेकर फटकार लगायी थी। . एमसीसी के नियम के अनुसार 'पिच को जानबूझकर या जिससे बचा जा सकता है वह नुकसान पहुंचाना गलत है। यदि स्ट्राइकर गेंद को खेलते हुए सुरक्षित क्षेत्र में प्रवेश करता है तो उसे इसके तुरंत बाद वहां से हटना होता है।'' नियम के अनुसार 'यदि कोई अंपायर मानता है कि पिच पर उसकी उपस्थिति कारणों के बिना है तो बल्लेबाज को जिस क्षति से बचा जा सकता था उसे पहुंचाने वाला माना जाएगा।'

विलियमसन ने टेस्ट में सबसे तेजी से 32 शतक का रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शतक लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ दिया है। विलियमसन ने हेमिल्टन टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया। विलियमसन अब टेस्ट शतकों की तादाद 32 हो गयी है। पिछली 12 पारियों में इस खिलाड़ी ने 7 शतक लगाये हैं। इस प्रकार टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 32 शतक तक पहुंचने के मामले में उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने सबसे तेजी से 174 पारियों में ये आंकड़ा हासिल किया था और वह दूसरे नंबर पर हैं जबकि विलियमसन ने 172 पारियों में ही यह रिकार्ड बना दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 176 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि तेंदुलकर ने 179 पारी खेलने के बाद 32वां टेस्ट शतक जमाया था। विलियम्सन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 118, 109, 43 और 105 रन बनाये।

डकेट के तेज शतक से इंग्लैंड का ठोस जवाब, दो विकेट पर 207 रन बनाये

राजकोट।

ओपनर बेन डकेट के तेज शतक से इंग्लैंड ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 207 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय डकेट नाबाद 133 रन जबकि जो रूट नौ रन बनाकर खेल रहे थे।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 445 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार मेहमान टीम अभी भारतीय टीम से 238 रन पीछे है। तीसरे दिन के खेल में डकेट ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया। उन्होंने 88 गेंदों पर ही शतक लगा दिया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। डकेट दिन का खेल समाप्त होने के समय 118 गेंद में 21 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 133 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने जैक क्राउली 15 के साथ पहले विकेट के लिए 89 और ओली पोप 39 रनों के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन बनाये।

इससे पहले भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट खेल रहे ध्रुव जुरेल 46 रन और अश्विन 37 रन के बीच आठवें विकेट की 77 रन की साझेदारी से पहली पारी में 445 रन बनाए। वहीं पहले दिन कप्तान रोहित शर्मा ने 131 जबकि रविंद्र जडेजा ने 112 रन बनाये थे। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 26 और मोहम्मद सिराज ने नाबाद 03 रन बनाये।

वहीं इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने अपने 500 विकेट पूरे किये। इस प्रकार वह पूर्व कप्तान अनिल कुंबले के बाद 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने।

अश्विन को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ एक विकेट चाहिये थे। उन्होंने जैफ क्राउली को आउट कर अपने 500 विकेट पूरे किये। डकेट ने इंग्लैंड की ओर से तेज शुरुआत करते हुए बुमराह पर चौका लगा दिये। उन्होंने अगले ओवर में दो और चौके लगाये। डकेट ने कुलदीप यादव की गेंदों पर चौके लगार अपना अर्धशतक बनाया। अश्विन ने अपने दूसरे ही ओवर में क्राउली को आउट करके भारत को पहला विकेट दिलाया।

डकेट ने इसके बाद ओली पोप के साथ पारी को आगे बढ़ाना शुरु किया। डकेट ने सिराज पर लगातार दो चौकों के साथ शतक पूरा किया। वह 86 गेंद में सबसे तेज शतक के क्राउली के रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाये। सिराज ने पोप को का विकेट लेकर ये साझेदारी तोड़ी।

इस मैच में आर अश्विन के मैदानी अंपायर से उलझने ओर पिच पर दौड़ने के लिए भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया। इससे इंग्लैंड को पांच रन बिना खेले ही मिल गये।

संक्षिप्त समाचार

अश्विन ने पूरे किये 500

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच में अपने 500वें विकेट पूरे करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अश्विन ने खेल के तीसरे सत्र में जैक क्रॉली का विकेट लेने के साथ ही 500 विकेट का आंकड़ा हासिल किया। अश्विन ने 500 विकेट लेने के लिए 25715 गेंदें फेंकीं जबकि पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ ने इसके लिए सबसे कम 25528 गेंदें लीं थीं। इसके अलावा अश्विन ने अपने 98वें टेस्ट में ही ये विकेट लिए हैं। कुंबले ने ये रिकार्ड 105 मैचों में बनाया था। अश्विन टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 500 विकेट लेने वाले दूसरे और कुल नौवें गेंदबाज हैं। वहीं कुंबले ने 132 टेस्ट मैचों में 619 विकेट हासिल लिए थे और वह इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं जबकि 133 खेलों में 800 विकेट के साथ श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

पीसीबी ने निदेशक हफीज को हटाया , तेज गेंदबाज राऊफ को भी नहीं दिया केन्द्रीय अनुबंध

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज हारिस राऊफ के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से ही बाहर कर दिया है। इसके अलावा पूर्व कप्तान मो हफीज को भी क्रिकेट निदेशक पद से हटा दिया है। राऊफ के खिलाफ ये कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज से हट गये थे। पीसीबी ने साथ ही कहा कि हारिस को 20 जून 2024 तक किसी भी विदेशी लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के 2023-24 दौरे के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम के साथ जुड़ने से मना करने के मामले की जांच के बाद ही राउफ को सजा दी गयी है जिससे अन्य खिलाड़ियों को भी सबक मिले। पीसीबी ने कहा , इस मामले से जुड़े सभी हितधारकों के नजरिए पर विचार करने के बाद हारिस के केंद्रीय अनुबंध को एक दिसंबर 2023 से रद्द किया जाता है और 30 जून 2024 तक उसे किसी विदेशी लीग में खेलने के लिए एनओसी भी नहीं दी जाएगी। पीसीबी ने कहा कि उसके प्रबंधन ने 30 जनवरी को हारिस को व्यक्तिगत सुनवाई में अपा पक्ष रखने का मौका दिया था पर उनका जवाब असंतोषजनक रहा। इसके अलावा पीसीबी ने क्रिकेट निदेशक हफीज को भी पद से हटा दिया। पीसीबी ने सोशल मीडिया पर लिखा, पीसीबी हफीज के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। खेल के प्रति हफीज के जुनून ने खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। टीम का स्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा बेहद अहम रहा है। पीसीबी हफीज को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं और सफलता देता है।आईसीसी विश्व कप 2023 में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद हफीज को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया गया गया था पर उनका कार्यकाल बेहद छोटा रहा।

विलियमसन के शतक से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीती

हैमिल्टन ।

केन विलियमसन के नाबाद शतक से मेजबान न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां खेले गये दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे ही दिन मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर 2-0 से सीरीज जीत ली है। ये कीवी टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज जीत है।

विलियमसन ने इस मैच में 260 गेंद में 12 चौकों और दो छक्कों की सहायता से 133 रन बनाये। इस दौरान उनकी विल यंग के साथ 152 रन की अहम साझेदारी हुई। इससे न्यूजीलैंड की टीम ने तीन विकेट पर 269 रन पर बनाकर जीत हासिल की।

इस मैच में कीवी टीम की जीत में विलियमसन की अहम भूमिका रही। इस

बल्लेबाज ने पहले टेस्ट की दोनों ही पारियों में भी शतक लगाकर जिससे न्यूजीलैंड को 281 रनों की जीत मिली। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त हासिल करने के बाद मेजबान टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए 267 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने इसका पीछा करते हुए खेलना शुरु किया। उसके विकेट लगातार गिरते रहे पर विलियमसन एक छोर पर डटे रहे। उन्होंने अपना 32वां टेस्ट शतक पूरा करने के साथ ही रचिन रविंद्र के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर अपनी टीम को जीत दिलायी।

ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म कंपनी ड्रीम 11 मुश्किल में फंसी

7.6 करोड़ रुपये किराया नहीं देने के आरोप

नई दिल्ली । ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म कंपनी ड्रीम 11 मुश्किल में फंस गयी है। उसके खिलाफ 7.6 करोड़ रुपये किराया न देने का आरोप लगा है। इस मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने ड्रीम 11 की मूल कंपनी स्पोर्टा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया याचिका को स्वीकार भी कर लिया है। इस कंपनी पर 9 फरवरी को 7.6 करोड़ रुपये किराया नहीं देने के कारण ये कार्रवाई हुई हालांकि इसके बाद एनसीएलटी ने स्पोर्टा टेक्नोलॉजीज के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के आदेश पर रोक भी लगा दी। वहीं अपीलीय न्यायाधिकरण ने ड्रीम11 का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर भंग किए जाने के बाद नियुक्त अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को अगली सुनवाई तक कोई कदम न उठाने के भी निर्देश दिये हैं। इस इसकी सुनवाई 23 फरवरी को होगी। गौरतलब है कि ड्रीम11 आईपीएल टी20 क्रिकेट लीग की मुख्य प्रायोजक है। वहीं इससे पहले स्पोर्टा टेक्नोलॉजीज ने एनसीएलटी की मुंबई पीठ के फैसले को चुनौती दी थी। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी भावित सेठ ने यह याचिका दायर की थी। इस याचिका की सुनवाई करते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण की 3 सदस्यीय पीठ ने स्पोर्टा टेक्नोलॉजीज के आईआरपी और रिवॉर्ड बिजनेस सॉल्यूशन के समाधान पेशेवर को नोटिस जारी किया और उन्हें एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इस कार्यवाही के दौरान स्पोर्टा टेक्नोलॉजीज के वकील ने एनसीएलटी के नौ फरवरी को पारित आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आईपीएल टूर्नामेंट नजदीक आ रहा है और इस आदेश का असर आने वाले सत्र की तैयारियों पर पड़ेगा। वहीं एनसीएलटी ने परिचालन कर्जदाता रिवॉर्ड सॉल्यूशंस की तरफ से दायर 7.61 करोड़ रुपये के बकाया के दावे की याचिका पर ड्रीम 11 के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था।

जडेजा ने कपिल , अश्विन के साथ विशेष क्लब में जगह बनायी

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इस मैच में अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर जडेजा ने एक विशेष सूची में अपनी जगह बना ली है। अब वह टेस्ट में 3000 से अधिक रन और 250 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव के 131 मैचों में 5,248 रन और 434 विकेट हैं और वह इस सूची में शीर्ष पर हैं। अश्विन ने अब तक 98 मैचों में 3,271 रन बनाने के साथ ही 499 विकेट भी लिए हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि जडेजा ने अब तक 70 मैचों में 3003 रन बनाए हैं और 280 विकेट लिए हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। जडेजा ने तीसरे टेस्ट में शतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम को बेहतर स्कोर बनाने में भी सहायता की। उनकी कप्तान रोहित शर्मा के साथ शतकीय साझेदारी हुई।

एफआईएच प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 4-6 से हराया

भुवनेश्वर।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-6 से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किये पर वह भारतीय टीम को हार से नहीं बचा पाये। भारतीय टीम इस मैच में अंतिम क्वार्टर में गोल करने में अवसरों को गोल में बदलने में असफल रही जिससे भी उसे नुकसान हुआ। भारतीय टीम की ओर से हरमनप्रीत ने 12वें और 20वें मिनट में दो गोल पेनल्टी कॉर्नर से किये। वहीं सुखजीत सिंह ने 18वें और मंदीप सिंह ने 29वें मिनट में एक-एक मैदानी गोल किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ब्लेक गोवर्स ने दूसरे मिनट में ही दो गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद अरान जालेवस्की ने 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से जबकि लाचलान शार्प ने 52वें मिनट में एक गोल किया। जैकब एंडरसन ने 55वें और जैक वेल्च ने 58वें मिनट में एक-एक मैदानी गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिलाई। 12वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे हरमनप्रीत ने गोल में बदल दिया। इस गोल से भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल तेजी से बढ़ गया और वे खेल पर हावी हो गये। इसके बाद भारतीय टीम की ओर से सुखजीत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया। दो मिनट बाद हरमनप्रीत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को आगे कर दिया और हाफ टाइम से एक मिनट पहले मंदीप ने एक मैदानी गोल कर टीम को 4-2 से बढ़त दिला दी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम ने आक्रामक खेल दिखाकर चार गोल दागकर मैच जीता लिया।

फिक्सिंग मामले में क्लब क्रिकेटर रिजवान जावेद पर 17 साल का प्रतिबंध

दुबई ।

इंग्लैंड के क्लब क्रिकेटर रिजवान जावेद पर मैच फिक्सिंग मामले में दोषी पाये जाने पर 17 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे एक प्रकार से रिजवान का करियर ही समाप्त हो गया है। रिजवान को साल 2021 में अबुधाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्स करने के कई प्रयासों के कारण साढ़े 17 साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से बाहर कर दिया गया गया था। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 'इंटीग्रिटी' महाप्रबंधक एलेक्स मार्शल ने कहा, 'रिजवान पर पेशेवर क्रिकेटरों को भ्रष्टाचार में शामिल करने के गंभीर प्रयासों के लिए इतना लंबा प्रतिबंध लगाया गया है।' इसके साथ ही बयान में कहा गया, 'इस प्रतिबंध से किसी भी स्तर पर क्रिकेट में फिक्सिंग का प्रयास कर रहे लोगों को एक कड़ा संदेश जाएगा कि खेल को भ्रष्ट करने के किसी भी प्रयास को सहन नहीं किया जाएगा।' अबुधाबी टी10 लीग साल 2017 में शुरू की गई थी। गौरतलब है कि रिजवान उन 8 खिलाड़ियों और अधिकारियों में से एक हैं जिनपर पिछले साल सितंबर में आरोप लगे थे। वहीं इससे पहले बांग्लादेश के ऑराउंडर नासिर हुसैन पर भी ऐसे ही आरोप लगे थे और उनपर भी दो साल का प्रतिबंध लगाया गया था। रिजवान 2021 अबुधाबी टी10 क्रिकेट लीग में फिक्सिंग को लेकर आरोपों का जवाब देने में असफल रहे थे जिसके बाद उन पर प्रतिबंध लगाया गया जो 19 सितंबर 2023 से शुरू होगा। रिजवान पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के विभिन्न अनुच्छेदों के अंतर्गत प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें अनुच्छेद 2.1.1 , अनुच्छेद 2.1.3, अनुच्छेद 2.4.4 और अनुच्छेद 2.4.6 शामिल है। रिजवान अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देने में विफल रहे।

जैव उर्वकों से बढ़ती है फसल की गुणवत्ता

फसल उत्पादन में उर्वरकों की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है। आधुनिक सघन खेती में रासायनिक उर्वरकों तथा अन्य कृषि रसायनों के दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए असंतुलित प्रयोग से भूमि की संरचना तथा उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस बात ने हमें यह सोचने के लिए विवश कर दिया है कि हम प्रकृति के इस महत्वपूर्ण संसाधन भूमि की उर्वरता संरचना तथा पर्यावरण को लम्बे समय तक कैसे बचाये रखें।

दूसरी ओर विश्व व्यापार संगठन में भारत का प्रवेश होने से हमारे आगे न केवल अधिक फसल उत्पादन करने की बल्कि उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाए रखने की भी चुनौती है। जैव उर्वरकों को पूरक के रूप में प्रयोग करने से रासायनिक उर्वरकों की क्षमता बढ़ती है साथ-साथ फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है।

क्या हैं जैव उर्वरक?

पर्यावरण के संरक्षण, भूमि की संरचना तथा उर्वरता को बचाए रखते हुए अधिक उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने ऐसे जीवाणुओं के उर्वरक तैयार किये हैं जो वायुमण्डल में उपलब्ध नत्रजन को पौधो को उपलब्ध कराते है तथा भूमि में पहले से मौजूद फास्फोरस आदि पोषक तत्वों को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध कराते हैं।

यह जीवाणु प्राकृतिक हैं, रासायनिक नहीं इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरक का विकल्प नहीं है। इन्हें रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभकों) द्वारा उत्पादित राइजोबियम कल्चर, एजेटो वैक्टर, एसीटो वैक्टर और पी.एस.एम. उपयोगी जैव उर्वरक हैं।

राइजोबियम कल्चर

इसके जीवाणु पौधों की जड़ो में गांठ बनाकर रहते हैं तथा वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन को शोषित कर भूमि में स्थिरीकरण कर पौधों को उपलब्ध कराते है। ये जैव उर्वरक दलहनी फसलों जैसे अरहर, मूंग, उर्द, चना,

मटर, मसूर, सोयाबीन आदि फसलों में उपयोग में लाये जाते है। प्रयोग के लिए यह ध्यान रखना चाहिये कि ये फसल विशेष के लिए अलग-अलग होते हैं और फसल का नाम पैकेट पर अंकित होता है।

एजेटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक सभी अनाज गेहूं, जौ, जई ज्वार, बाजरा, मक्का, धान, सब्जी की फसलों, फूलों तथ अन्य फसलों जैसे गन्ना, कपास, तम्बाकू एवं पटसन आदि में प्रयोग में लाया जाता है। इसके जीवाणु पौधों की जड़ क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से रहते हुए वायुमण्डल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर पौधो को उपलब्ध कराते हैं।

एसीटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक गन्ने की फसल के लिए उपयुक्त पाया गया है। जो गन्ने की फसल के लिए नत्रजन वाले उर्वरकों की लगभग 25-30 प्रतिशत की बचत करने में सहायक होता है, इसके प्रयोग से गन्ने की फसल से प्राप्त होने वाली चीनी के परते में 1-2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

पी.एस.एम.

भारत की 80 से 90 प्रतिशत भूमि में फास्फोरस की कमी पाई जाती है। भूमि में फास्फोरस तत्व की पूर्ति हेतु प्रयोग किये जाने वाले उर्वरकों की मात्रा का लगभग 35-

4 0

प्रतिशत भाग ही फसल उपयोग में ला पाती है, शेष भाग अघुलनशील अवस्था में भूमि के अन्दर बेकार पड़ा रहता है। जबकि फास्फेटिक उर्वरकों पर कृषकों की सबसे ज्यादा लागत आती है। पी.एस.एम. भूमि में अघुलनशील अवस्था में उपस्थित फास्फोरस तत्व को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर पौधों को उपलब्ध कराता है। यह सभी प्रकार की फसलों में उपयोग किया जा सकता है।

बीज उपचार

इस विधि द्वारा राइजोबियम, एजोटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग दलहन की फसलों, गेहूं, जौं, मक्का, बाजरा, राई, सरसों, तिल, सूरजमुखी आदि फसलों में किया जाता है। इस विधि में एक पैकेट का घोल लगभग 200-500 मिली. पानी में बनाकर 10 किलो बीज के ऊपर एक साथ छिड़क कर हाथ से अच्छी तरह मिलायें ताकि जैव उर्वरक की एक पतली परत बीज के सभी दानों पर बन जायें। उपचार के तुरन्त बाद छाया में सुखाकर बीज की बुवाई कर दें।

भूमि उपचार

इस विधि द्वारा एजेटो बैक्टर, एसीटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग सभी खाद्यान्नों की फसलों, गन्ना, तिलहन फसलों, सब्जी फसलों, फूलों आदि में किया जा सकता है। इस विधि में जैव उर्वरकों की लगभग 2-5 कि.ग्रा. मात्रा को 100 कि.ग्रा. अच्छी प्रकार सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट में मिलाकर खेत की तैयारी के समय अन्तिम जुताई से पूर्व खेत में एक साथ छिड़क कर मिट्टी में मिला दें।

कन्द उपचार

आलू की फसल में एजोटो बैक्टर व पीएसएम का उपयोग करने के लिये प्रति हे.2 कि.ग्रा. जैव उर्वरकों को 20-25 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें बीज को 5 मिनट के लिये डुबोकर बुवाई करें। गन्ने की फसल में एसीटो बैक्टर के प्रयोग में लगभग 5 किलो जैव उर्वरक प्रति.हे. की आवश्कता पड़ती है।

जड़ उपचार विधि

यह विधि रोपाई वाली फसलों में प्रयोग की जाती है। इस विधि में 1-2 किग्रा. जैव उर्वरकों को 10-20 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिये रोपाई हेतु पौधों को रोपाई से पूर्व 10 मिनट के लिये जड़ो को डुबोकर रोपाई की जाती है।

जैव उर्वरकों के प्रयोग में सावधानियाँ

यह जीवित जीवाणुओं का मिश्रण है, इसलिए इन्हें तेज धूप, उच्च तापक्रम से सदैव बचाये रखें, अन्यथा उनके जीवाणु मरने शुरू हो जाते है। गर्मियों में भण्डारण के लिये मकान के कोने में रेत के अन्दर घड़े मे रख दें। रेत पर पानी छिड़कर कर भिगोते रहें। इस प्रकार अधिक तापक्रम के प्रभाव से जैव उर्वरकों को बचाया जा सकता है। पैकेट खरीदते समय उनकी निर्माण तिथि अवश्य देख लें और उनका उपयोग अन्तिम तिथि से पूर्व कर लें। पैकेट उपयोग के समय ही खोलें।

सदैव ध्यान रखें कि ये रासायनिक उर्वरकों के विकल्प नहीं है। फसलों की पोषक तत्वों की मांग की पूर्ति इनका रासायनिक एवं कार्बनिक खादों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर करें। फसल के लिये निर्धारित जैव उर्वरक ही प्रयोग करें। बीज शोधन में यदि रसायन का प्रयोग करना हो तो इनकी प्रयोग की जानी वाली मात्रा को निर्धारित मात्रा से दोगुना कर देना चाहिये और पहले रसायनों को प्रयोग करें उसके उपरान्त ही जैव उर्वरकों का प्रयोग करें। रासायनिक खादों में मिलाकर इनका प्रयोग कभी नहीं करना चाहिये। जैव उर्वरकों को सड़ी नमी युक्त गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट खाद के साथ मिलाकर प्रयोग करने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त होते है। कृभको द्वारा हजीरा संयंत्र (गुजरात) वाराणसी संयंत्र (उत्तर प्रदेश) लांचा संयंत्र (महाराष्ट्र) में कुल 650 मैट्रिक टन जैव उर्वरकों का उत्पादन किया जाता है। ये जैव उर्वरक कृषक भारती सेवा केन्द्रों एवं सहकारी समितियों से प्राप्त किये जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृभकों के नजदीकी प्रतिनिधि से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कनाडा में फिर हुआ हिंदू मंदिरों पर हमला

टोरंटो । इंडो-कनाडाई समुदाय ने ओंटारियो प्रांत में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर लगातार हो रही चोरियों पर निराशा व्यक्त की है। ओकविले शहर के वैष्णो देवी मंदिर में अज्ञात व्यक्तियों ने मंदिर में सेंध लगाई, मूर्तियों के सामने रखे दान बक्सों से पर्याप्त मात्रा में नकदी ले ली और कार्यालयों में भी तोड़फोड़ की और यहां तक कि वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण भी चुरा लिए। सुरक्षा उद्देश्यों के लिए बाहरी और आंतरिक क्लोज-सर्किट कैमरे लगाए गए। मंदिर के अध्यक्ष केशव अग्निहोत्री ने कहा कि चोरी से समुदाय स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि हर कोई सोच रहा है कि एक धार्मिक स्थल पर ऐसी घटना क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हॉल्टन क्षेत्रीय पुलिस के अधिकारियों ने मंदिर का दौरा किया और अपराध की जांच कर रहे हैं। हालाँकि, इससे समुदाय के भीतर बढ़ती चिंता कम नहीं हुई है। हमारे संस्थान एक आसान लक्ष्य बन रहे हैं। यह विचार नेशनल एलायंस ऑफ इंडो-कैनेडियन्स द्वारा साझा किया गया था, जिसका मानना था कि हिंदू पूजा स्थलों की लक्षित चोरी और बर्बरता की सभी सही सोच वाले कनाडाई लोगों द्वारा निंदा की जानी चाहिए। समुदाय की नेता रुचि वाली ने घुसपैठ के बारे में पोस्ट कर पूछा कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस या आरसीएमपी कब इस चल रहे मुद्दे का समाधान करेगी और इसे एक अनोखी घटना के रूप में नहीं मानेगी?

पश्चिम अफ्रीका और साहेल में चरमपंथी समूह इस्लामिक स्टेट का प्रभाव बढ़ता जा रहा

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी कार्यालय के प्रमुख ने कहा कि पश्चिम अफ्रीका और साहेल में राजनीतिक अस्थिरता के बीच चरमपंथी समूह इस्लामिक स्टेट एक बढ़ता हुआ खतरा बना है। व्लादिमीर वोरोन्कोव ने संयुक्त राष्ट्र के निष्कर्षों को दोहराया कि खतरे का मुकाबला करने में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद आईएस खासकर संघर्षरत क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बना हुआ है। वोरोन्कोव ने कहा कि समूह ने इराक और सीरिया के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशिया में अपने पूर्व गढ़ों में भी अभियान तेज कर दिया है। वोरोन्कोव ने बताया कि अफ्रीका महाद्वीप में स्थित साहेल क्षेत्र और पश्चिमी अफ्रीका की स्थिति खराब हो गई है और यह ''अधिक जटिल होती जा रही है, क्योंकि स्थानीय जातीय व क्षेत्रीय विवाद चरमपंथी समूह के एजेंडे और संचालन के अनुकूल हैं।

नेपाल पुलिस ने 11 भारतीय बंधक मुक्त कराए

काठमांडू । नेपाल पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर अमेरिका भेजने के नाम पर दो सप्ताह से बंधक बनाकर रखे गए 11 भारतीय व्य ?क्तियों को मुक्त कराया। मामले में आठ भारतीय माफिया सदस्यों के साथ नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस ने इसे ऑपरेशन डंकी नाम दिया क्योंकि यह मामला अभिनेता शाहरुख खान की 2023 की फिल्म डंकी में दिखाई गई स्थिति के समान था। बचाए गए व्यक्ति और माफिया सदस्य ज्यादातर भारतीय राज्यों पंजाब और हरियाणा से आए थे। पुलिस ने बताया कि 11 लोगों को काठमांडू के बाहरी इलाके में दो सप्ताह से अधिक समय तक किराए के एक घर में बंधक बनाकर रखा गया था। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए धोबीखोला कॉरिडोर, रातोपुल में एक नेपाली नागरिक के निजी आवास पर छापा मारा और 11 भारतीय नागरिकों को मुक्त कराया, जिन्हें मेक्सिको के रास्ते अमेरिका भेजने के बहाने बंधक बना लिया गया था।

एसपीएफ इजराइल-हमास संघर्ष पर विरोध प्रदर्शनों को नहीं देगा अनुमति

सिंगापुर सिटी । सिंगापुर बोटेनिक गार्डन में सप्ताहांत पर मार्च निकालने के ऑनलाइन आह्वान के बीच सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) इजराइल-हमास युद्ध से संबंधित विरोध-प्रदर्शनों को अनुमति नहीं देने के अपने रुख पर बरकरार है। सिंगापुर बोटेनिक गार्डन, ब्रिटेन और अमेरिका दूतावास के निकट एक विशाल पार्क है, जहां अधिकतर राजनयिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। पुलिस ने बताया कि वह इजराइल-हमास संघर्ष पर वॉक-आउट सिंगापुर नाम के एक कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे अभियान से भली भांति वाकिफ है। एसपीएफ ने बताया कि पुलिस ने आयोजक से संपर्क किया और इस मामले पर उसे नसीहत दी गई है। एक खबर में बताया गया है ?कि इस तरह के आयोजनों के लिए पुलिस की मंजूरी की आवश्यकता होती है। पुलिस ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन एक अपराध है। इस सप्ताह की शुरुआत में अधिकारियों ने बताया था कि उन्हें सिंगापुर एयरशो में इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बारे में जानकारी है और उन्होंने चेतावनी जारी कर कहा कि बिना मंजूरी के इस तरह की सार्वजनिक सभा या जुलूस का आयोजन या उसमें भाग लेना गैरकानूनी है। सिंगापुर में अगले मंगलवार से होने वाले छह दिवसीय एयर शो में इजराइली रक्षा दल हिस्सा ले रहा है।

रूस का उपग्रह रोधी परमाणु क्षमता विकसित करना चिंताजनक : व्हाइट हाउस

मास्को । रूस द्वारा उपग्रह रोधी परमाणु क्षमता विकसित करना परेशान करने वाला हो सकता है लेकिन यह किसी की भी सुरक्षा के लिए खतरा नहीं है क्योंकि इसे अभी अमल में नहीं लाया गया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। यहां व्हाइट हाउस में संवाददाताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक जॉन किर्बी ने बताया कि यह क्षमता सक्रिय नहीं है। उन्होंने कहा कि हम किसी एक हथियार के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, जिसे इंसानों पर हमले या फिर पृथ्वी पर तबाही मचाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। हम रूसी गतिविधियों पर करीब से नजर रखे हुए हैं और हम इसे गंभीरता से लेते रहेंगे। किर्बी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस बात से भलीभांति वाकिफ हैं और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा दल को नियमित रूप से जानकारी दी जा रही है। किर्बी ने कहा कि उन्होंने शुरुआत में ही कई निर्देश दिये हैं, जिसमें सांसदों को जानकारी देना, हमारे सहयोगियों और हमारे साझेदारों के साथ-साथ रूस से सीधे राजनयिक जुड़ाव जैसी चीजें शामिल हैं। एक दिन पहले हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष माइक टर्नर ने बाइडन प्रशासन से खतरे का विवरण सार्वजनिक करने का आग्रह किया था।

ब्राजील पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो के छोटे बेटे को आरोपी बनाया

ब्राजीलिया । ब्राजील पुलिस ने कथित धोखाधड़ी के मामले में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे छोटे बेटे को आरोपी बनाया है। ब्राजील के संघीय जिला क्षेत्र की पुलिस ने एक बयान में कहा कि जायर रेनन बोल्सोनारो और उनके एक मित्र कपटपूर्ण गलतबयानी, बैंक ऋण अनुरोध के संबंध में फर्जी दस्तावेजों के उपयोग और धनशोधन के संदिग्ध हैं। पुलिस ने विस्तृत विवरण देने से इनकार कर दिया। अगस्त 2023 में पुलिस द्वारा कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाने के बाद से जायर रेनन कोई भी गलत काम से इनकार करते रहे हैं। ब्राजील पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो के शीर्ष सहयोगियों के घरों और कार्यालयों पर छापा मारा था और एक मामले की जांच के तहत बोल्सोनारो का पासपोर्ट जब्त कर लिया था। इस मामले में आरोप लगाया गया कि बोल्सोनारो ने आठ जनवरी 2023 को नए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने वाले लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को हटाने के लिए तख्तापलट की साजिश रची थी।

कैंसर का टीका बनने के करीब पहुंचे रुसी वैज्ञानिक, पुतिन ने किया दावा

मास्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कैंसर के इलाज को लेकर एक बड़ा दावा किया। पुतिन ने दावा किया कि उनके देश के वैज्ञानिक कैंसर मरीजों के लिए वैक्सीन बनाने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कैंसर वैक्सीन के जल्द मरीजों के लिए उपलब्ध होने का दावा किया। मॉस्को फोरम में रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हम तथाकथित कैंसर के टीके और नई पीढ़ी की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी दवाओं के निर्माण के बहुत करीब आ गए हैं। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही इन्हें व्यक्तिगत चिकित्सा के तरीकों के रूप में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाएगा। हालाँकि, पुतिन का बयान अपने आप में काफी मायने रखता है क्योंकि दुनियाभर के देश कैंसर का इलाज ढूंढ़ने में लगे हुए हैं।

अमेरिका में केडेनी स्पेस सेंटर से एक फाल्कन 9 रॉकेट नोवा सी मून लैंडर के साथ मून मिशन पर निकला।

अमेरिका में लगातार बढ़ रहे भारतीय छात्रों पर हमले, बाइडेन सरकार चिंतित

वाशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने बयान जारी कहा, अमेरिकी सरकार रंग या लिंग के आधार पर होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा को स्वीकार नहीं करेगी। भारतीय व भारतीय मूल के छात्रों पर हमलों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौर करने वाली बात है कि भारतीय मूल के विधार्थियों अनेक बार हमले हुए, जिस पर रोक लगाने के लिए अमेरिकी सरकार ने अब कठोर कदम उठाने का फैसला किया है। इस साल अमेरिका में हिंसा के शिकार हुए चार भारतीयों को अपनी जान गंवा दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने कहा, रंग, लिंग या धर्म के आधार पर होने वाली हिंसा को किसी भी कीमत पर स्वीकारा नहीं जा सकता। बाइडेन सरकार भारत और अमेरिका में रह रहे भारतीय माता-पिता के जेहन में अपने बच्चों को लेकर पैदा हुए भय को दूर करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है। इसके साथ ही किर्बी ने कहा, बाइडेन सरकार मौजूदा स्थिति को दुरूस्त करने और भारतीय मूल के विधार्थियों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए पूरा खाका तैयार कर चुकी है, जिस जमीन पर उतारा जाएगा। गौरतलब है कि साल की शुरुआत में हिंसा का शिकार होकर भारतीय मूल के पांच विधार्थी अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस बात पर विशेष जोर दिया कि उनकी सरकार विदेश में रह रहे भारतीय विधार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले भारतीय विधार्थियों की संख्या में 35 फीसद की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

जापान के बाद अब ब्रिटेन भी मंदी का शिकार, ये आम लोगों की जिंदगी पर क्या डालेगा प्रभाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जापान की अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित रूप से मंदी की चपेट में आ गई और देश ने दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का अपना स्थान खो दिया है। अब ये खिलाब जर्मनी को मिल गया है। जापान तीसरी अर्थव्यवस्था के पायदान से फिलकर चौथे पर आ गया है। चालू वित्त वर्ष की तिसरी तिमाही में जापान की अर्थव्यवस्था में गिरावट देखने को मिली थी। इस गिरावट की वजह से जापान में मंदी के आसार बने हुए हैं। जापान और ब्रिटेन में क्या हुआ? इसका आम आदमी पर क्या असर हो सकता है इस रिपोर्ट से आपको बताते हैं।

जापान में क्या हुआ

कमजोर घरेलू मांग ने जापान की अर्थव्यवस्था पर असर डाला है और लगातार दूसरी तिमाही में इसमें अप्रत्याशित गिरावट आई है, जिससे इस साल किसी समय अपनी अति-आसान नीति से बाहर निकलने की केंद्रीय बैंक की योजना के बारे में अनिश्चितता बढ़ गई है। जर्मनी अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है। परिवारों और व्यवसायों द्वारा लगातार तीसरी तिमाही में खर्च में कटौती के कारण जापान की अर्थव्यवस्था पिछले साल अमेरिकी डॉलर के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पिछले साल अक्टूबर में अनुमान लगाया था कि अमेरिकी डॉलर में मापने पर जर्मनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में जापान से आगे निकलने की संभावना है। हालाँकि, रैंकिंग में बदलाव की घोषणा आईएमएफ द्वारा तभी की जाएगी जब दोनों देश अपने आर्थिक विकास के आंकड़ों के अंतिम संस्करण प्रकाशित कर देंगे। इसने 1980 में अर्थव्यवस्थाओं की तुलना करते हुए डेटा प्रकाशित करना शुरू किया।

ब्रिटेन का क्या हाल है?

ब्रिटेन 2023 की दूसरी छमाही में हल्की मंदी की चपेट में आ गया, जिससे पता चलता है कि प्रधान मंत्री ऋषि सुनक अब तक अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के गुरुवार को जारी आंकड़े बताते हैं कि चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद 0.3त्न गिर गया, जो अर्थशास्त्रियों के पूर्वानुमान से 0.1त्न की गिरावट से अधिक है। इसके बाद पिछले तीन महीनों में अपरिवर्तित 0.1त्न की गिरावट आई, जो अर्थशास्त्रियों की मंदी की तकनीकी परिभाषा, या संकुचन की लगातार दो तिमाहियों को पूरा करती है। पूरे वर्ष अर्थव्यवस्था में अभी भी 0.1त्न की वृद्धि हुई है, यह महामारी के पहले वर्ष को छोड़कर, 2009 के बाद से यूके में देखा गया सबसे धीमा वार्षिक विस्तार था। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था ने पिछली बार पिछले साल के पहले तीन महीनों में एक चौथाई वृद्धि दर्ज की थी।

आम आदमी के लिए इसके क्या मायने हैं?

मंदी आम आदमी के लिए बुरी है। बीबीसी के मुताबिक, कंपनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी करने से बेरोजगारी बढ़ सकती है। दूसरों को पदोन्नति पाने या मूल्य वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पर्याप्त वेतन वृद्धि प्राप्त करना कठिन हो सकता है। हालाँकि, मंदी का दर्द आम तौर पर पूरे समाज में समान रूप से महसूस नहीं किया जाता है, और असमानता बढ़ सकती है। लेख में कहा गया है कि निश्चित आय पर जीवन यापन करने वालों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, खासकर अगर सरकारें सार्वजनिक उपयोगिताओं पर खर्च कम कर दें।

हट गया पुतिन के रास्ते का कांटा... नेता नवलनी की मौत

-जेल में सजा के दौरान हुई मौत

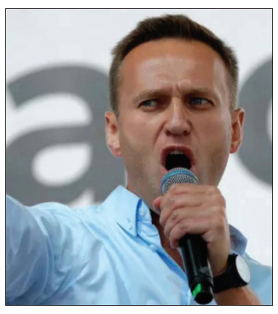

मॉस्को (एजेंसी)। जेल में बंद राष्ट्रपति पुतिन के धुरविरोधी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत हो गई है। यमालो-नेनेट्स इलाके की जेल सेवा ने इसकी जानकारी दी। जेल में नवलनी अपनी सजा काट रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार यमालो-नेनेट्स स्वायत्त जिले की संघीय प्रायद्वीपीय सेवा ने कहा कि नवलनी ने टहलने के बाद अस्वस्थ महसूस किया और लगभग तुरंत होश खो बैठे। रिपोर्ट के मुताबिक मेडिकल स्टाफ को बुलाया गया था, लेकिन वे नवलनी को होश में नहीं ला पा रहे हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि एलेक्सी नवलनी की मौत के कारण का अभी पता लगाया जा रहा है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुखर आलोचक एलेक्सी नवलनी को पिछले साल अगस्त में रूसी अदालत ने 19 साल जेल की सजा सुनाई थी। क्रेमलिन ने दावा किया है कि उस नवलनी की मौत के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुतिन सरकार ने कहा कि जेल सेवा उसकी मौत के संबंध में सभी जांच कर रही थी। रूस की जांच समिति ने मौत की प्रक्रियात्मक जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में बताया कि जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत एक हत्या है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि जेल की स्थितियों के कारण उनकी मौत हुई।

जिस जेल कॉलोनी में नवलनी अपनी सजा काट रहे थे, वह मास्को से लगभग 1,900 किमी. (1,200 मील) उत्तर-पूर्व में यमालो-नेनेट्स क्षेत्र में गंभीर हालातों के लिए कुख्यात है। एलेक्सी नवलनी जनवरी 2021 से रूस में सलाखों के पीछे हैं। तब वह जर्मनी में नर्व एजेंट जहर के हमले से उबरने के बाद मॉस्को लौटे थे। इस हमले के लिए उन्होंने रूस की सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। अपनी गिरफ्तारी से पहले उन्होंने आधिकारिक भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया और क्रेमलिन विरोधी बड़े विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया।

पाकिस्तान में जागा नेता का जमीर, मुझे बईमानी से जिताया गया, मैं सीट छोड़ रहा हूं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में हाल ही में आम चुनाव कराए गए। लेकिन अभी तक सरकार का गठन नहीं हुआ है। इमरान खान के समर्थकों ने चुनाव में बड़ी धांधली के आरोप लगाए हैं। ये महज आरोप नहीं हैं बल्कि कई वीडियो भी सामने आए हैं जिसमें खुल्लमखुल्ला धांधली का खेल दिखाई दे रहा है। इस बीच पाकिस्तान के ही एक राजनेता ने मिसाल पेश कर अपनी सीट ही छोड़ दी। नेता का कहना है कि मुझे बेईमानी से जिताया गया इसलिए वह जनता के साथ धोखा नहीं करना चाहता। नेता कहा कि उस सीट पर इमरान खान के समर्थक को ज्यादा वोट मिले थे, फिर भी हेरफेर करके मुझे विजयी घोषित करवा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जमीयत-ए-इस्लामी के हाफिज नईम ने प्रांतीय विधानसभा की सीट पीएस-129 अपने विरोधी के लिए छोड़ दी। बता दें कि कराची शहर में यह सीट है। नईम का कहना है कि इस सीट पर इमरान समर्थक उम्मीदवार ने 31 हजार वोट हासिल किए थे वहीं उन्हें 26 हजार वोट ही मिले थे। हालांकि गड़बड़ी करके विरोधी को केवल 11 हजार वोटों पर समेट दिया गया। अब हाफिज नईम के आरोपों से पाकिस्तानी चुनाव आयोग भी सकते में आ गया। पाकिस्तान में सियासी खींचतान के बीच इमरान खान ने अमेरिका से मदद की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि निष्पक्ष मतगणना नहीं कराई गई है। इमरान ने कहा कि उनके उम्मीदवारों को जान-बूझकर हरा दिया गया है। इसके बाद अमेरिका को इन चुनावों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। इमरान का कहना है कि उनके उम्मीदवारों को ज्यादा वोट मिले थे जो कि बाद में कम कर दिए गए। अमेरिका ने भी कहा कि पाकिस्तान के हालात को लेकर चिंता जाहिर की है। बता दें कि चुनाव से पहले ही इमरान खान को कई मामलों में सजा सुना दी गई थी। इसके बाद उनकी पार्टी का नाम और निशान भी छीन लिया गया। इमरान के समर्थकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों को सबसे ज्यादा सीटें हासिल हुई हैं।

इमरान खान की पत्नी बुशरा को जान का खतरा! जेल में बीमार पड़ने के बाद बहन ने किया दावा

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने जेल अधिकारियों पर उनके भोजन के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। बुशरा बीबी वर्तमान में अपने बानीगाला निवास में कैद हैं, जिसे तोशाखाना मामले में उनके और इमरान खान की सजा और सजा के बाद उप-जेल के रूप में नामित किया गया है। घटना छह दिन पहले की है। बुशरा बीबी के वकील और प्रवक्ता मशाल यूसुफजई ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रथम महिला को असामान्य मसालेदार भोजन खाने के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हुईं।

यूसुफजई ने एक बयान में कहा कि बुशरा बीबी ने उन्हें बताया कि जेल अधिकारियों ने जानबूझकर भोजन में एक अम्लीय रासायनिक पदार्थ मिलाया था। यूसुफजई ने कहा कि उस भोजन को खाने के बाद उसके मुंह और गले में छाले हो गए हैं और तब से वह बहुत अस्वस्थ है। उन्होंने आगे कहा कि वह देश को इस दुर्भावनापूर्ण कृत्य और इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताना चाहती हैं। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने एक्स पर एक पोस्ट में फासीवादी शासन पर इमरान खान की पत्नी पर दुर्भावनापूर्ण हमला करने और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता देने से इनकार करने का आरोप लगाया।

पोस्ट में आगे कहा गया कि कोई गलती न करें, इन जघन्य कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। पाकिस्तान मजबूत है। इमरान खान मजबूत हैं। पार्टी ने मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए उच्च न्यायालयों से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

मिस्र की नई पहल, फिलिस्तीनियों के लिए स्थापित कर रहा गाजा सीमा के पास आश्रय शिविर

गाजा। मिस्र गाजा सीमा पर एक क्षेत्र तैयार कर रहा है, जहां राफा में इजरायली हमले की स्थिति में फिलीस्तीनियों को समायोजित किया जा सकता है। मिस्र ने ऐसी किसी भी तैयारी से इनकार किया है। उसने बार-बार इस संभावना पर चिंता जताई है कि इजरायल के विनाशकारी गाजा हमले से फिलिस्तीनियों को सिनाई में विस्थापित किया जा सकता है। काहिरा का कहना है कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार-बार कहा है कि वह गाजा से फिलि स्तीनियों के किसी भी विस्थापन का विरोध करेगा। सूत्रों में से एक ने कहा कि मिस्र आशावादी है कि संघर्ष विराम लागू करने के लिए बातचीत से ऐसे किसी भी परिदृश्य से बचा जा सकता है, लेकिन अस्थायी और एहतियाती उपाय के रूप में सीमा पर क्षेत्र स्थापित कर रहा है। तीन सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि मिस्र ने कुछ बुनियादी सुविधाओं के साथ एक रेगिस्तानी क्षेत्र तैयार करना शुरू कर दिया है जिसका उपयोग फिलिस्तीनियों को आश्रय देने के लिए किया जा सकता है, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक आकस्मिक कदम था। इस कहानी के लिए रॉयटर्स ने जिन सूत्रों से बात की, उन्होंने मामले की संवेदनशीलता के कारण नाम बताने से इनकार कर दिया। इज़राइल ने कहा है कि वह राफा में हमास के 卐आखिरी गढ़卐 पर कब्ज़ा करने के लिए आक्रामक हमला करेगा, जहां 1 मिलियन से अधिक फ़िलिस्तीनियों ने उसके विनाशकारी गाजा हमले से शरण मांगी है। इज़राइल ने कहा है कि उसकी सेना रफ़ा से नागरिकों को गाजा पट्टी के अन्य हिस्सों में ले जाने की योजना बना रही है।

पोलैंड सरकार की नीतियों के खिलाफ 5 सौ ट्रैक्टर लेकर पहुंचे किसानों ने दफ्तर पर फेंके अंडे

वारसा(एजेंसी)। पोलैंड के किसान देश की सरकार की नीतियों के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शनों कर रहे हैं। वे यूरोपीय यूनियन का भी विरोध कर रहे हैं। बीते दिन विरोध-प्रदर्शन में ईयू के मुख्यालय पर किसानों ने अंडे फेंके। 500 ट्रैक्टर के साथ एक हजार किसान सड़कों पर हैं। 20 फरवरी को देश की सीमाएं सील करने की चेतावनी दी है।पोलैंड के किसानों ने पश्चिमी शहर ब्रोकला में गुरुवार को जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने यूरोपीय यूनियन की ऑफिस पर अंडे भी फेंके। आगजनी की और ईयू ग्रीन डील के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया।

किसानों ने यूक्रेन के साथ सभी सीमा क्रॉसिंगों की पूर्ण नाकाबंदी और 20 फरवरी को राजधानी वारसॉ में एक बड़े विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। किसानों ने ना सिर्फ यूक्रेन की सीमाएं बल्कि कम्यूनिकेशन सेंटर से लेकर ट्रांसशिपमेंट्स, रेलवे स्टेशनों और समुद्री बंदरगाहों को भी सील करने की चेतावनी दी है। यूरोपीय किसान उसी दिन पहले से घोषित स्टार मार्च में सभी दिशाओं से वारसॉ पहुंचेंगे। वहीं 22 फरवरी को चेक गणराज्य के किसान भी मध्य और पूर्वी यूरोप के किसानों के साथ विरोध-प्रदर्शन में शामिल होंगे और अपने देश की सीमाओं को सील करेंगे।

यूरोपीय देश में किसान ट्रैक्टर के साथ पिछले कई दिनों से सड़कों पर हैं। पूरे यूरोप में किसान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूरोपीय यूनियन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि पाबंदियों की वजह से किसानी की लागत बढ़ रही है, मुनाफा कम है। पड़ोस के यूक्रेन युद्ध का भी पोलैंड के किसानों पर गंभीर असर पड़ा है। गुरुवार के विरोध-प्रदर्शन में लगभग एक हजार की संख्या में किसान 500 ट्रैक्टर और अन्य कृषि में इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों के साथ सड़क पर उतरे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में किसानों को पोलिश झंडे, बैनर और कुछ मामलों में फ्लेयर लिए हुए सड़कों पर मार्च करते देखा गया। किसान क्षेत्रीय सरकारी मुख्यालय के सामने इकट्ठा हुए जहां उन्होंने टायरों में आग लगा दी, जिससे पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया। पोलैंड के किसान यूक्रेन से सस्ते खाद्य आयात का विशेष रूप से विरोध कर रहे हैं। मसलन, स्थानीय किसानों का अनाज खरीदे जाने के बजाय सरकार पड़ोसी यूक्रेन से सस्ते में इंपोर्ट करती हैं। यही वजह है कि पिछले शुक्रवार से किसान 30-दिवसीय हड़ताल पर हैं। इस बीच यूक्रेन के साथ लगने वाली कुछ सड़कों को किसान ने ब्लॉक भी कर दिया है।

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय छात्रों को दिया तोहफा, ग्रेट स्कॉलरशिप 2024 की घोषणा

नई दिल्ली । विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खबर है। दरअसल ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय छात्रों के लिए ग्रेट स्कॉलरशिप 2024 की घोषणा की है। इस स्कॉलरशिप का लाभ भारतीय 2024 की शरद ऋतु से यूके में अध्ययन के लिए उठा सकते है। हालांकि, स्कॉलरशिप का लाभ उन्हें ही मिलेगा, जो पोस्टग्रेजुएशन की पढ़ाई करे। ब्रिटिश काउंसिल शैक्षिक अवसरों और सांस्कृतिक संबंधों के लिए यूके का अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। इस वर्ष यूके के 25 विश्वविद्यालय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में भारतीय छात्रों को 26 स्नातकोत्तर ग्रेट स्कॉलरशिप प्रदान करेंगे। भारतीय छात्रों को जिन विषयों में स्कॉलरशिप दी जाएगी उसमें फाइनेंस, मार्केटिंग, बिजनेस, मनोविज्ञान डिजाइन, मानविकी, डांस सहित अन्य हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रत्येक ग्रेट स्कॉलरशिप का मूल्य न्यूनतम 10,000 है, जिसका भुगतान 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए यूके में एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए ट्यूशन फीस के लिए किया जाएगा। इसके अलावा योजना के तहत भारतीय छात्रों को जस्टिस और लॉ स्टडीज के लिए भी स्कॉलरशिप प्रदान की जाएंगी। ये छात्रवृत्तियां दो भाग लेने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रदान की जाती हैं। यानि कि जो भारतीय छात्र मानवाधिकार, संपत्ति कानून, आपराधिक न्याय, वाणिज्यिक कानून और अन्य विभिन्न पाठ्यक्रमों में रुचि रखने हैं, वे आवेदन कर सकते हैं।

जांच में हुई पुष्टि, रेव पार्टियों में कोबरा के जहर का हुआ उपयोग, एल्विश की बढ़ेगी मुश्किल

नोएडा। रेव पार्टियों में नशे में इस्तेमाल हो रहे सांपों के जहर के मामले में जयपुर एफएसएल की जांच रिपोर्ट आ गई है। इस जांच रिपोर्ट में बरामद जहर कोबरा करैत प्रजाति के सांप का होना पाया गया है। रेव पार्टियों और क्लबों में ये जहर सप्लाई होता था। इसके बाद बिग बॉस ओटीटी सीजन-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं। रेव पार्टियों में कथित तौर पर नशे के लिए इस्तेमाल हो रहे जहर के मामले में जयपुर एफएसएल की रिपोर्ट में सांपों के जहर का इस्तेमाल होने की पुष्टि हुई है। सूत्रों के मुताबिक, रेव पार्टियों में नशे में इस्तेमाल हो रहे सांपों के जहर के मामले में जयपुर एफएसएल की जांच रिपोर्ट आ गई है। इस जांच रिपोर्ट में बरामद जहर कोबरा करैत प्रजाति के सांप का होना पाया गया है। रेव पार्टियों और क्लबों में ये जहर सप्लाई होता था। नोएडा पुलिस ने जयपुर एफएसएल को जांच के लिए सांपों के जहर के सैंपल भेजे थे। अब नोएडा पुलिस ने जयपुर एफएसएल से कार्रवाई के लिए ये जांच रिपोर्ट ली है। सूत्रों का कहना है कि इन पार्टियों में कोबरा करैत

सांप का जहर सप्लाई होता था। चर्चित यूट्यूबर एल्विश यादव समेत कई लोगों के खिलाफ सेक्टर-49 थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। जांच रिपोर्ट आने के बाद एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ सकती है। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने पांच सपेरों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।ऐसा माना रहा है कि अब नोएडा पुलिस जल्द ही एल्विश यादव और अन्य आरोपियों से फिर से पूछताछ कर सकती है। बता दें कि, इससे पहले मुख्य आरोपी राहुल ने पुलिस को कई ऐसे चौंकाने वाले नाम बताए जो रेव पार्टी में बीन के साथ सांपों का खेल करवाते थे।

बांग्लादेश से लाकर 6 राज्यों में बेची गई लड़कियां

-2 से 5 लाख रुपए में बिकती हैं, बांग्लादेश की लड़कियां

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से जो जानकारी मिली है। उसके अनुसार बांग्लादेश से लड़कियां लाकर भारत के 6 राज्यों में लड़कियों को बेचा गया है। बांग्लादेश से घुसपैठ करके बांग्लादेश की लड़कियों को भारत लाया जाता था। अभी तक गिरोह ने 50 से ज्यादा लड़कियां भारत लाकर बेचना स्वीकार किया है। मानव तस्करी से जुड़े गिरोह की जांच के दौरान, एनआईए ने म्यांमार मे रहने वाले रवि इस्लाम, मोहम्मद उस्मान और सफी अलम को गिरफ्तार किया था। भारत के एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में इनका नेटवर्क बना हुआ है। बांग्लादेश से लड़कियां लाकर घुसपैठ के माध्यम से भारत के हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और जम्मू कश्मीर में लड़कियां बेचने की बात आरोपियों ने स्वीकार की है। लड़कियों का सौदा 2 लाख से लेकर 500000 रुपये के बीच बांग्लादेश की लड़कियों को बेचा गया है। गिरोह के सदस्य बांग्लादेश से लड़कियों को पहले फुसलाकर पहले म्यांमार ले जाते थे। उसके बाद म्यांमार से भूटान के रास्ते नेपाल और नेपाल से बिहार के रास्ते भारत की कई राज्यों में ले जाया जाता था। बिहार से मांग के अनुसार अलग-अलग राज्यों में लड़कियों को ले जाकर बेच दिया जाता था। बांग्लादेश के जो युवक प्रेम जाल में फंसाकर मानव तस्करी के कारोबार में लगे हुए हैं। उन्हें गिरोह द्वारा 50000 रुपये प्रति लड़की भुगतान किया जाता था। मानव तस्करी के कारोबार में लगे गिरोह का खुलाशा एनआईए ने किया है।

संदेशखाली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ईमेल करें फिर देखते हैं क्या करना है?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। याचिकाकर्ता वकील अलख आलोक ने इस मामले में जल्द सुनवाई करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की है। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आप ऐसे दवाब नहीं बना सकते हैं। फिर भी मामले को ईमेल कीजिए फिर देखते हैं क्या करना है। बता दें कि संदेशखालि क्षेत्र की कई महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जमीन हड़पने और उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि शाहजहां और उनके समर्थक रात में उनके घर की बहू-बेटियों को ले जाते थे। अब महिलाएं वहां टीएमसी नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं और उनकी गिरफ्तारी की मांग पर अड़ी हैं। वकील ने कहा मामला बहुत आवश्यक है लिहाजा मामले में तत्काल सुनवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता वकील पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट नियमों के तहत काम करेगा आपके प्रेशर डालने से हम कोई आदेश जारी नही करेंगें। सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई से करवाने मांग की है। निष्पक्ष जांच के लिए पूरी जांच पश्चिम बंगाल से बाहर करवाने की मांग शामिल है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से मणिपुर के तर्ज पर 3 जजों की कमेटी बनाकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। दरअसल वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश देने के साथ- साथ दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की गई है।

हल्द्वानी हिंसा में नहीं बल्कि अवैध संबंधों के चलते हुई थी प्रकाश की हत्या

हल्द्वानी। बिहार निवासी प्रकाश कुमार की मौत पर हल्द्वानी पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक प्रकाश की मौत 8 फ़रवरी को बनभूलपुरा में हुए सांप्रदायिक हिंसा में नहीं हुई थी, बल्कि अवैध संबंधों की वजह से उसकी जान गई थी। इस मामले में पुलिस ने एक कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी नैनीताल प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि प्रकाश की हत्या चोरगलिया थाने में तैनात एक जवान बीरेंद्र सिंह, उसकी पत्नी प्रियंका और तीन अन्य ने मिलकर की थी। उसके बाद शव को हिंसा प्रभावित इलाके में फेंक दिया गया था। एसएसपी ने बताया कि जवान की पत्नी के साथ प्रकाश के अवैध संबंध थे और वह ब्लैकमेल कर पैसे की डिमांड भी कर रहा था। हल्द्वानी हिंसा वाले दिन वह शहर में था। जिसके बाद वह गौलापार गया जहां, उसकी तीन लोगों से झड़प हुई और उसकी हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड में जवान, उसकी पत्नी, साला और एक दोस्त शामिल थे। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, हालांकि जवान की पत्नी फरार है। हत्या में प्रयुक्त अवैध असलहे को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। गौरतलब है कि बनभूलपुरा कांड के दूसरे दिन प्रकाश कुमार की गोलियों से छलनी लाश रेल के पटरियों के पास मिली थी। जिसके बाद कहा जा रहा था कि प्रकाश की हत्या हिंसा के दौरान ही गई थी। एसएसपी ने कांफ्रेंस करते हुए बताया कि प्रकाश के अवैध संबंध कांस्टेबल की पत्नी से थे। हत्या के बाद दंगे में मौत की साजिश पुलिस कांस्टेबल, उसकी पत्नी और साले के द्वारा रची गई थी।

जातिगत जनगणना कराने के लिए कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में पेश किया प्रस्ताव

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार (16 फरवरी) को राज्य में जाति जनगणना कराने के लिए विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। यह वादा पार्टी ने पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले किया था। लक्षित कल्याण और समान संसाधन वितरण के लिए जाति डेटा इकट्ठा करने के उद्देश्य से जनगणना के संचालन के लिए विधानसभा में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा प्रस्ताव लाया गया था।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 4 फरवरी को तेलंगाना कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों की उन्नति के लिए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसर योजनाएँ, सरकार ने राजनीतिक रोजगार के लिए एक व्यापक घरेलू जाति गणना परिवार सर्वेक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि उनका सदन 4 फरवरी 2024 के मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुसार पूरे तेलंगाना राज्य का एक व्यापक घर-घर घरेलू सर्वेक्षण (सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक,

रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण (कुल गणना) करने का संकल्प लेता है।

सरकार के अनुसार इसका लक्ष्य राज्य के पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नागरिकों और राज्य के अन्य कमजोर वर्गों के सुधार के लिए विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसरों को लागू करना है। राहुल गांधी ने पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान तेलंगाना के लोगों से वादा किया था कि अगर कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो जाति सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) ने भी 9 अक्टूबर को एक प्रस्ताव अपनाया था जिसमें केंद्र में सत्ता में आने पर दशकीय जनगणना के हिस्से के रूप में देशव्यापी जाति जनगणना का वादा किया गया था। इसमें कहा गया कि आरक्षण पर लगी 50 फीसदी की सीमा को भी कानून के जरिए हटा दिया जाएगा। राज्य की स्थापना के बाद पहली बार कांग्रेस ने तेलंगाना में 119 में से 64 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था।

प्रियंका नहीं शामिल हो रहीं न्याय यात्रा में

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के चंदौली पहुंच रही है। यहां से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को न्याय यात्रा में शामिल होना था, लेकिन वो इसमें शरीक नहीं हो रहीं हैं। यात्रा में शामिल नहीं होने के पीछे प्रियंका गांधी का स्वास्थ्य खराब होना बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि तबीयत ठीक होते ही प्रियंका यात्रा में शामिल होंगी। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकालने में व्यस्त चल रही है। इसी तारतम्य में आज यात्रा को बिहार से यूपी में प्रवेश करते हुए

चंदौली पहुंचना है, जहां प्रियंका भी शामिल होने वाली थीं। इसी बीच खबर आई कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का स्वास्थ्य सही नहीं है, इसलिए आज शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के चंदौली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो रही हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उन खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश में यात्रा की अवधि में कटौती नहीं की गई है। यह आठ दिनों के लिए 16 से 21 फरवरी तक और फिर 24 से 25 फरवरी तक उत्तर प्रदेश में रहेगी। उन्होंने कहा, कि 22 और 23 फरवरी को यात्रा के लिए विश्राम का दिन रहेगा, इसके बाद 24 और 25 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यात्रा फिर से प्रारंभ की जाएगी।

राहुल की मध्य प्रदेश में न्याय यात्रा के पहले भाजपा करेगी बड़ा धमाका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोपाल (ईएमएस)।दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक और शनिवार को संपन्न होनी है। जिसमें भाजपा कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा करेगी। आने वाले लोकसभा चुनाव में 400 सीटे जीतने का लक्ष्य निर्धारित करेगी। इस अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी के सभी शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ देशभर से नेता एवं कार्यकर्ता दिल्ली में जुटेंगे। इस राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद भाजपा एक बड़ा धमाका करने की तैयारी में है।जिसके अंतर्गत कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई जा सकती है। इस संबंध में भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में उच्च स्तरीय चर्चा होगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं की सूची में मध्य प्रदेश के कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। जिसे राहुल गांधी की न्याय यात्रा के पहले एक बड़े

धमाके के तौर पर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले नेताओं का कांग्रेस छोड़ने कहीं ना कहीं कांग्रेस और राहुल गांधी की न्याय यात्रा को कमजोर करने के लिए यह अभी तक का सबसे बड़ा प्रयास होगा। सूत्रों की माने तो मध्य प्रदेश के बड़े नेताओं को भाजपा में लाने का प्रयास लंबे समय से किया जा रहा था। जो निर्णायक स्थिति में पहुंच गया है। ऐसा माना जा रहा है कि अधिवेशन के आखिरी दिन कांग्रेस के बड़े नेता भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की उपस्थिति में ले सकते हैं।

इससे पहले मध्य प्रदेश के कई कांग्रेसी नेताओं ने कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा की सदस्यता राज्य स्तरीय नेतृत्व के सामने कर चुके हैं। जिसमे जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व महाधिवक्ता मध्य प्रदेश शशांक शेखर एवं कई जिला कांग्रेस अध्यक्ष शामिल है। अब कांग्रेस के एक राष्ट्रीय स्तर के नेता को भाजपा की सदस्यता दिलाने की कार्रवाई राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के समक्ष हो सकती है। राहुल गांधी के मध्य प्रदेश में प्रवेश करने के पहले ही यह बड़ा धमाका हो सकता है। भाजपा का मानना है, कि कांग्रेस के लिए यह अभी तक का सबसे बड़ा धमाका होगा।

षडयंत्र का शिकार हुई सांसद प्रज्ञा ने लिखी चिट्ठी कहा.. उम्मीद है कार्रवाई करेंगे

भोपाल (एजेंसी)। सांसद प्रज्ञा सिंह एक बड़े षडयंत्र का शिकार हुई हैं। इससे उन्हे इतनी तकलीफ हुई की 16 फरवरी की रात 3ः20 बजे अपने एक्स प्लेट फॉर्म पर पीडा लिखनी पड़ी। उन्होंने अकासा एयरलाइंस के स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा कि मुंबई से दिल्ली जाने वाली अकासा एयर, फ्लाइट नंबर क्यूपी-1120 से दिल्ली आने पर ड्यूटी मैनेजर इमरान और उसके साथियों द्वारा षड्यंत्र कर मुझे बड़ी हानि पहुंचाने का प्रयास किया। इस संबंध में सांसद ठाकुर नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से कार्रवाई की अपील की है। सांसद प्रज्ञा ने लिखा, 'उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अपेक्षा करती हूं आप कार्यवाही अवश्य करेंगे। जय श्री राम....।

हालांकि सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर अपने विवादित बयानों के लिए जानी जाती हैं। अयोध्या में रामलला मंदिर के निर्माण के दौरान कांग्रेसी नेताओं ने वहां जाने से मना कर दिया था। इस पर प्रज्ञा ने कहा था, श्री राम का मंदिर बनना सौभाग्य की बात है। जिनको रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला है, उन्हें सशरीर पहुंचना चाहिए। सभी को उत्सव मनाना चाहिए। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को

आमंत्रण मिला है लेकिन वो नहीं जा रहे। कांग्रेस हमेशा प्रभु राम के कार्य का विरोध करती रही है। मां सरस्वती ने उसकी जीभ पर विराजमान होकर मना करवाया है।इसके साथ-साथ सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भी तंज सका था। उन्होंने कहा था कि इनके शासन में तो कभी न्याय हुआ ही नहीं। शासन में रहते हुए जनता ने विकास और काम केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में देखा है। कांग्रेस ने पहले भी भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। उसका भी हश्र सभी ने देख लिया। अब इस यात्रा का हश्र क्या होगा, ये भी जनता बताएगी। पिछले साल मार्च में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को विदेशी धरती पर दिए गए उनके कुछ विवादास्पद बयानों के लिए देश से निकाल देना चाहिए। उन्होंने यह बात तब कही थी, जब राहुल गांधी ने पिछले साल मार्च में लंदन में ब्रिटिश सांसदों के बीच बयान दिया था।

मेक इन इंडिया के तहत, नौसेना के लिए छह समुद्री गश्ती विमान खरीदने को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए नौ समुद्री निगरानी विमान और भारतीय तट रक्षक के लिए छह समुद्री गश्ती विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित अधिग्रहण में 15 समुद्री गश्ती विमानों का निर्माण शामिल है, जो सी-295 परिवहन विमानों पर आधारित होगा, जिनका निर्माण भारत में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के बीच एक संयुक्त उद्यम में किया जा रहा है। यह कदम मोदी सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना है। रिपोर्ट के अनुसार, इन परियोजनाओं का अनुमानित मूल्य 29,000 करोड़ है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवहन विमान आवश्यक रडार और सेंसर से लैस होगा और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स (सीएबीएस) द्वारा इस समुद्री गश्ती विमान में बदल दिया जाएगा। भारतीय तटरक्षक बल के मुख्य महानिदेशक राकेश पाल ने बताया, लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमान प्राप्त करने की योजना है, जिसे वायु सेना ने ले लिया है, और अनुबंध पर टीएएसएल (टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड) के साथ हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिसमें हम हैं छह सी 295 परिवहन विमान मिलने वाले हैं।

पूर्व सीएम चव्हाण का बयान, रातोंरात नहीं बदलेगी विचारधारा

-मैं भाजपा की विचारधारा को समझूंगा

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएम)। कांग्रेस से दो पीढ़ियों का रिश्ता तोड़कर भाजपा में आए पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने कहा है कि उनकी विचारधारा रातोंरात नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि रातोंरात अपनी विचारधारा को बदल लेना संभव नहीं है। मैं भाजपा की विचारधारा को समझूंगा। इसके अलावा यह भी ध्यान देने की बात है कि मैं हर चीज से सहमत ही रहूं, यह जरूरी नहीं है। मुझे उन चीजों के बारे में समझने के लिए समय चाहिए। इसके अलावा हमें यह भी देखना होगा कि वक्त की जरूरत क्या है। सेकुलरिज्म से ज्यादा अहम यह है कि हम एक देश के तौर पर भविष्य के लिए कैसे तैयार हैं।

उन्होंने विचारधारा के सवाल को पीएम नरेंद्र मोदी से जोड़ते हुए कहा कि वह जो कर रहे हैं, वह पूरी दुनिया को ही दिख रहा है। आप देश का मूड देखिए। जनादेश उनके साथ है, क्योंकि वे सही चीजें कर रहे हैं। यही नहीं उन्होंने कांग्रेस छोड़ने के फैसले पर भी कहा कि यहां अचानक नहीं हुआ है। मैं बीते काफी

दिनों से देख रहा था कि कैसे चीजों को रोका जा रहा है। लोकसभा चुनाव सिर पर है और कांग्रेस की तैयारी ही नहीं थी। ऐसी स्थिति में मैंने अपना वक्त बर्बाद करने की बजाय सही विकल्प चुना। मुझे राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका भी मिला। चव्हाण ने कहा कि पीएम मोदी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष कमजोर है। यह पूछने पर कि क्या केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में आकर कांग्रेस छोड़ी है? उन्होंने कहा कि यह झूठ है। कांग्रेस के लोगों को मुझ पर इसतरह के आरोप लगाने की बजाय खुद का विश्लेषण करना चाहिए। सोचना चाहिए कि आखिर पार्टी इस लेवल तक कैसे पहुंच गई। अब जहां तक आदर्श हाउसिंग घोटाले की बात है, तब फिलहाल मेरे ऊपर कोई केस नहीं चल रहा है।

10 सालों में मोदी सरकार ने कृषि-कृषक हित में हर ज़रूरी निर्णय लिए: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में किसान आंदोलन को लेकर संवाददाताओं से बातचीत की। अनुराग ठाकुर ने कहा, ' मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए सदा समर्पित रही है। पिछले कल केंद्र सरकार ने जारी गतिरोध के बीच किसान संगठनों को बातचीत के लिए निमंत्रण दिया था। कई किसान नेता आए और बेहद सार्थक चर्चा भी हुई है। हमने मिलकर अगली वार्ता रविवार को रखी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि रविवार को भी अच्छे माहौल में बातचीत होगी और हम मुद्दों के समाधान की ओर बढ़ेंगे।'

केंद्र द्वारा किए गए कार्यों के जवाब में अनुराग ठाकुर ने कहा, ÷खाद, पानी, एमएसपी पर खरीद, बैंकों से सस्ते ऋण और मुआवजे पर पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने जितना किया है वह आज से पहले किसी भी सरकार ने नहीं किया। 2013-14 में जब यूपीए की सरकार थी, तब कृषि बजट ?27 हजार 662 करोड रुपए था। अभी मोदी सरकार का कृषि

बजट ?1 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा है। यानी यूपीए काल से 5 गुना ज्यादा कृषि बजट। कांग्रेस के समय किसान सम्मान निधि नहीं थी, हमने किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को 2 लाख 81 हजार करोड़ रुपए सीधा उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए हैं। यूपीए काल की फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को कुछ नहीं मिलता था। मोदी सरकार में डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का मुआवजा किसानों को मिला है। 10 हजार एफपीओ में से 8 हजार बन चुके हैं और इसे लाखों किसान भी जुड़ चुके हैं।'

अनुराग ठाकुर ने आगे एमएसपी पर बातचीत करते हुए बताया, ÷कांग्रेस के समय में गेहूं, धान, दलहन और तिलहन की कुल खरीददारी ?5 लाख 50 हजार करोड़ रुपए की हुई। मोदी सरकार ने 18 लाख 39 हजार करोड़ रुपए की खरीददारी की। यानी लगभग साढ़े तीन गुना ज्यादा। इससे पता चलता है की हमने दाम भी बढ़ाए और खरीदारी भी दोगुनी से ज्यादा की।

आगे मोदी सरकार द्वारा किसान हित में किए कार्यों की जानकारी देते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया, ÷सिंचाई योजनाओं के लिए मोदी सरकार ने डेढ़ गुना ज्यादा यानी लगभग ?15 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च किए। कांग्रेस के समय कृषि ऋण मात्र 7 लाख करोड़ रुपए के आसपास था जिसे बढ़ाकर हमने 20 लाख करोड़ रुपए किया है। और यह मात्र पिछले वर्ष का आंकड़ा है। इनके समय एक्सपोर्ट 2 लाख 62 हजार करोड रुपए का था, हमने 4 लाख 27 हजार करोड़ का किया। इसी प्रकार आप अगर कोई भी दूसरा क्षेत्र लेंगे तो उसमें भी कांग्रेस बिल्कुल फीकी दिखाई देगी।'

अब हर दिन एक घंटे के लिए बंद होंगे रामलला के कपाट

अयोध्या । श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इाल शुक्रवार से अपराह्न में एक घंटे के लिए राम मंदिर के कपाट बंद रखने का फैसला लिया है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के मुताबिक रामलला शुक्रवार से अपराह्न में एक घंटे का विश्राम करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंदिर में आने वाले भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन का समय सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक बढ़ा दिया है। दरअसल, श्री रामलला पांच साल के बाल स्वरूप में हैं, इसलिए बाल देवता को कुछ आराम देने के लिए ट्रस्ट ने फैसला किया है कि मंदिर के कपाट अपराह्न में एक घंटे तक बंद कर दिए जाएंगे। मंदिर अपराह्न साढ़े 12 बजे से अपराह्न एक बजकर 30 मिनट तक बंद रहेगा।

क्या गठबंधन की गाड़ी पर ड्राइविंग सीट पर तेजस्वी और बगल राहुल गांधी बैठेंगे?

सासाराम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं और उन्होंने बिहार में दस्तक दी है। राहुल ने सासाराम में रोड शो किया है और उनके साथ तेजस्वी यादव भी ड्राइविंग सीट पर नजर आए। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राहुल गांधी एक ही गाड़ी में साथ रहे। राहुल गांधी तेजस्वी यादव की बाईं ओर बैठे थे।

जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी ने ही तेजस्वी यादव को ड्राइविंग ऑफर की थी। एक जीप पर एक साथ दिखने के बाद ये दोनों एक मंच पर नजर आएंगे। बता दें कि इंटर कॉलेज मैदान में राहुल गांधी की सभा होगी और इसमें बिहार कांग्रेस के नेता भी राहुल गांधी के साथ होंगे। तेजस्वी यादव की राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बिहार में सियासी पारा हाई है। सियासत के जानकारों की मानें तो इस तस्वीर से यह भी साफ हो रहा है कि नीतीश कुमार के इंडिया अलायंस से अलग होने के बाद बिहार की राजनीति का फ्यूचर कुछ ऐसा ही दिखेगा।

दरअसल, यह बात बिहार में सीट शेयरिंग से भी जुड़ती है, जिसको लेकर अभी भी मंथन जारी है और अब तक बात फाइनल नहीं हुई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के बीच बातचीत अभी जारी है। इंडिया अलायंस कहिये या फिर बिहार में महागठबंधन, ड्राइविंग सीट पर राजद रहेगा तेजस्वी यादव इसका नेतृत्व करेंगे और बगल में कांग्रेस रहेगी और राहुल गांधी की कांग्रेस इनके अनुसार ही बिहार में अपनी राजनीतिक यात्रा बढ़ाएगी। बता दें कि राहुल गांधी का काफिला सासाराम के पुरानी जीटी रोड से होकर गुजरा। उनका रोड शो जमुहार से निकलकर सासाराम के मुख्य बाजार से होते हुए उनका रोड से गुजरा। विभिन्न दालों के कार्यकर्ता भी इस दौरान मौजूद रहे। खासकर गठबंधन के कार्यकर्ता काफी उत्साहित थे। हालांकि, सड़कों पर आम लोगों की भीड़ अपेक्षा के अनुरूप नहीं थी। बता दें कि राहुल गांधी शिवसागर प्रखंड में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद चेनारी के टेकारी में मैं भी राहुल गांधी की सभा होगी। रोहतास के बाद कैमूर में राहुल गांधी की न्याय यात्रा आगे बढ़ेगी और इसके बाद मोहनिया होते हुए यूपी के चंदौली में प्रवेश कर जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचीन अवैध रूप से बांधकाम में कर रहा विकास अवैध रूप से सरकारीकर्मी की क्यों हो रही महेरबानी

सुरत महानगर पालिका का विस्तारित होने के बाद अवैध रूप से बेनमी आवक को बांधकाम में अन्य म्युनिसिपल एक्ट के तहत कार्यवाही करने के बजाय. उस बांधकाम में करने में भी गुजरात की राजधानी गांधीनगर से भी सिफारिशों किया जाता हैं, क्या अवैध रूप से बेनामी संपत्ति की जाँच करेगा

वांकल में 'आदमखोर' बने कपिराज ने साधु, पुलिस समेत ४० लोगों को काटा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के वांकल गांव में कपिराज का आतंक सामने आया है। आदमखोर बन चुके कपिराज ने पिछले दो दिनों में ४० से अधिक लोगों को काट लिया है। अंबाजी माता मंदिर में सार्वजनिक रूप से स्नान कर रहे एक साधु की पीठ पर और एक पुलिस कांस्टेबल के पैर पर काट लिया। दोनों को इलाज के लिए १०८ एम्बुलेंस से सूरत के सिविल अस्पताल ले जाया गया। मथुरा से प्रभातफेरी के लिए आए ७५ वर्षीय भगवानदास रामजीलाल पिछले १२ दिनों से वांकल में रह रहे हैं। आज सुबह भगवानदास अपने दोनों बच्चों के साथ अंबाजी माता के मंदिर के पास खुले में नहा रहे थे। तभी आदमखोर कपिराज ने उन पर हमला कर दिया और उनके पीट पर काट लिया। साधु ने हाथ में बाल्टी लेकर बंदर को भगाया बच्चों को बचाया। इस बीच, जीआरटी मयूर जिनाभाई नामक

वांकल प्राथमिक उपचार केन्द्र में वैक्सीन भी पुरे हो चुंके, अब पिडित सूरत सिविल अस्पताल जाने के लिए मजबुर साधू को कपिराज ने काट लिया

एक कांस्टेबल भारत बंद के बंदोबस्त में थे, बंदर ने उन पर हमला किया और उनके पैर को काट लिया। इसलिए दोनों को वांकल में प्राथमिक उपचार देने के बाद १०८ एम्बुलेंस से वैक्सीन और इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया।

पिछले कुछ दिनों से वांकल में कपिराज का आतंक बढ़ गया है, वन विभाग दिन भर डार्ट गन से कपिराज को बेहोश करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, कपिराज अभी तक उनके हाथ नहीं आया है। तब तक ४० लोगों को इस बंदर द्वारा काटा जा चुका है। इसलिए वांकल में वैक्सीन भी पूरी हो चुकी है, अब इस कपिराज के पीड़ितों को इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल में जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

'साइबर सेफ सूरत' के लिए सूरत सिटी पुलिस की अनूठी पहल, बनाया गया देश का पहला 'चैटबॉट'

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 'चैटबॉट' लोगों को साइबर क्राइम से बचाता है 'सूरत साइबर मित्र'

चैटबॉट व्हाट्सएप नंबर 93285-23417 पर 'HI' लिखकर भेजने पर आपको साइबर धोखाधड़ी के बारे में सारी जानकारी मिल जाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

'साइबर सेफ सूरत' के लिए, सूरत सिटी पुलिस ने एक अनूठी पहल की है और नागरिकों को साइबर अपराध, साइबर धोखाधड़ी से बचाने और मदद करने के लिए देश का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित 'चैटबॉट' बनाया है। 'सूरत साइबर मित्र' नामक 'चैटबॉट' नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के साथ-साथ उन्हें साइबर अपराध का शिकार बनने से भी बचाएगा।

'सतर्कता ही सावधानी' कहते हुए सूरत साइबर क्राइम के एसीपी ए.पी. गोहिल लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा तैयार किए गए देश के पहले 'चैटबॉट' के बारे में जानकारी दी। गोहिल ने नागरिकों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहने को कहा। और कहा कि विशेषकर सूरत शहर को साइबर सुरक्षित बनाने के लिए 'सूरत साइबर मित्र' शहर पुलिस की एक अभिनव पहल है। जिसमें देश का कोई भी नागरिक व्हाट्सएप नंबर ९३२८५-२३४१७ पर ।।ढ्ढ भेजकर चैटबॉट से जुड़ सकता है।

उन्होंने चैटबॉट की विशेषताएं बताते हुए कहा कि मानव रहित चैटबॉट की मदद से सूरत के नागरिकों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी हर जानकारी २४*७ उपलब्ध रहेगी। साथ ही किसी भी तरह की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल उठाए जाने वाले कदम और शिकायत दर्ज कराने के लिए जरूरी मार्गदर्शन भी मिलेगा।

इसके अलावा सूरत साइबर मित्र स्पैम कॉल, स्पैम मेल या लिंक की रिपोर्ट करने, वित्तीय और सामाजिक मीडिया से संबंधित धोखाधड़ी की जानकारी और सुझाव प्राप्त करने, सोशल मीडिया धोखाधड़ी के लिए आवेदन करने, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के शिकायत पोर्टल पर रिपोर्ट करने, सोशल मीडिया गोपनीयता सेटिंग्स, साइबर के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रश्नों को हल करने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन का फोन नंबर और ई-मेल जानकारी प्राप्त करना सहायक होगा। उन्होंने कहा, यह सभी जानकारी तीन भाषाओं, गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है।

गौरतलब है कि आज के डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराध से नागरिकों को बचाने और साइबर अपराध के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा 'साइबर सेफ सूरत' पहल के तहत समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें पहले 'साइबर संजीवनी रथ' और 'साइबर सेफ सूरत' की ऑडियो विजुअल बुक भी शामिल है।

ट्रेड यूनियन काउंसिल और सुधाराई कामदार यूनियन भारत बंद के ऐलान में शामिल हुए,

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ट्रेड यूनियन काउंसिल और सूरत सुधराई कामदार यूनियन ने सूरत में विभिन्न लंबित मांगों के विरोध में आज संयुक्त किसान मोर्चा और राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा दिए गए भारत बंद के आह्वान को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस संबंध में सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय पर धरना दिया गया और जिला कलेक्टर को एक याचिका भेजी गई।

देश में एमएसपी कानून लागू करने समेत विभिन्न लंबित मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा और राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों की ओर से आज भारत बंद का ऐलान किया गया है। इन दोनों संस्थाओं द्वारा दिए गए बंद के एलान को सूरत ट्रेड यूनियन

सूरत में भी संयुक्त किसान मोर्चा और राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा दिए गए भारत बंद का समर्थन

जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करते यूनियन अग्रणी

काउंसिल और सूरत सुधाराई कामदार यूनियन द्वारा समर्थन दिया गया है। सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन और सांकेतिक धरना देकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। जिसके बाद जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजा गया। इस संबंध में सूरत ट्रेड यूनियन काउंसिल के उपाध्यक्ष नैषद देसाई ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत सरकार द्वारा श्रमिकों और किसानों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है।

जिसके विरोध में भारत के सभी ट्रेड यूनियनों ने भारत बंद का ऐलान किया है। जिसे सूरत ट्रेड यूनियन और सूरत सुधाराई कामदार यूनियन का समर्थन प्राप्त है। इस संबंध में जिला कलेक्टर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया है। इस मामले में सूरत जिला कलेक्टर को एक लिखित शिकायत सौंपी गई है। सरकार के सामने जो मांगें हैं उनमें ठेका प्रथा खत्म करना, न्यूनतम वेतन से लेकर मूल्य सूचकांक की सुरक्षा शामिल है। सरकार ने करीब ४० मौजूदा कानूनों को खत्म कर चार कानून लाने की कोशिश की है, आज इसके खिलाफ मजदूरों और किसानों का आंदोलन चल रहा है।

आमदनी घटने से सब्जी बाजार में लहसुन की कीमतें ४०० रूपए प्रति किलो तक पहुंच गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सब्जी मंडियों में लहसुन की कीमतों ने गृहणियों का बजट बिगाड़ दिया है। दूसरे राज्यों से सूरत एपीएमसी मार्केट में लहसुन की आय में बड़ी कमी आई है, जिसके खिलाफ मांग बढ़ गई है। जिसके कारण आज सूरत के एपीएमसी बाजार में सूखे लहसुन की कीमत ३००० से ५००० रूपये प्रति २० किलो तक पहुंच गई है। जो आम बाजार में ३०० से ४०० रूपये प्रति किलो बिक रहा है। जिससे आम आदमी के लिए सूखा लहसुन खरीदना मुश्किल हो गया है।

सूरत एपीएमसी बाजार में सब्जी के थोक विक्रेता बाबूभाई शेख के अनुसार, बाजार में सूखे लहसुन की कीमतें आसमान छू रही हैं। सूखे लहसुन का उत्पादन अधिकतर मध्य प्रदेश में होता है। पिछले दो तीन सालों में लहसून के योग्य दाम न मिलने पर किसान अन्य फसल की ओर मुड चुंके है। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई बारिश और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण लहसुन के उत्पादन में बड़ी गिरावट आई है। जिसके विपरीत मांग बढ़ने से कीमत में बढ़ोतरी हुई है। सूरत के एपीएमसी में ज्यादातर लहसुन मध्य प्रदेश के इंदौर, भटनावर, नीचल, जावडा और पिपलिया समेत अन्य जिलों से काफी मात्रा में लहसुन आता है। इसी प्रकार लहसुन का उत्पादन गुजरात के सौराष्ट्र में भी होता है। जिसके लिए अभी दो महीने का समय बाकी है। दो महीने बाद सौराष्ट्र और मध्य प्रदेश से लहसुन का राजस्व भी शुरू होगा तभी लहसुन की कीमतें नियंत्रण में आयेंगी। पिछले साल सूरत की एपीएमसी मंडी में लहसुन ३०० से ५०० प्रति २० किलो बिक रहा था। आज यह ३००० से ५००० रूपये प्रति किलो बिक रहा है। सूरत एपीएमसी में पिछले साल लगभग १० से १२ आइसर टेम्पो भरकर लहसुन आया था, लेकिन वर्तमान स्थिति में केवल दो से तीन आइसर टेम्पो में लहसुन आ रहा है। यानी सूरत एपीएमसी में लहसुन की ८० फीसदी आय कम हो गई है।

रसोई में लहसुन की उपस्थिति आवश्यक है। लेकिन अब जब लहसुन के दाम चौथे आसमान पर पहुंच गए हैं तो आम लोगों के लिए लहसुन खरीदना मुश्किल हो गया है। हालांकि लोगों को उम्मीद है कि लहसुन की कीमत में कमी आएगी। लेकिन दो महीने पहले लहसुन के दाम कम होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सुरतियों को लहसुन की कीमत में कमी को लेकर अभी दो महीने और इंतजार करना होगा।

ओलपाड के देलाड पाटिया पर प्रदर्शन करने पहुंचे किसान एवं सहकारिता नेताओं को हिरासत में लेती पुलिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हरियाणा और पंजाब के किसान एक बार फिर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, किसानों ने धीरे-धीरे सरकार के खिलाफ अपने मुद्दे उठाने शुरु कर दिये हैं। इस आंदोलन की गूंज देश के अन्य कुछ हिस्सों में भी सुनाई दे रही है। सूरत जिले के ओलपाड तालुका के देलाड पाटिया में भी किसानों और सहकारी नेताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जिन्हें बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

इस मामले में किसान एवं सहकारिता नेता दर्शन नायक ने मीडिया से कहा कि सरकार किसानों के लिए कोई मजबूत फैसला नहीं ले रही है। किसानों को ध्यान में रखकर तैयार की गई स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग

किसानों के विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस ने किसान-सहकारिता नेताओं को एक वैन में भर लिया

सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे किसान धरना प्रदर्शन से पहले ही हिरासत में

की जा रही है। आज किसानों के लिए जिस तरह की स्थिति बन रही है वह आर्थिक रूप से बहुत खराब है।

किसानों को समर्थन मूल्य दिलाने के लिए जो नीति घोषित करनी चाहिए वह सरकार नहीं कर रही है। जिसके कारण आज भी किसान आर्थिक बोझ से दबा हुआ है। इससे पहले कि हम आज सरकार की इस नीति के विरोध में इकट्ठा हो रहे थे, पुलिस का सहारा लेकर हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की गई है। इस सरकार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी बर्दाश्त नहीं है।